E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 29 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, बुधवार 12 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

बिहार का खजाना खाली, वेतन-पेंशन देने तक के पैसे नहीं -तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को राज्य सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार का खजाना पूरी तरह खाली हो चुका है और सरकार के पास ठेकेदारों के भुगतान के साथ-साथ कर्मचारियों को वेतन और पेंशन देने तक के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचा है। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उर्दू और फारसी स्कूलों को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसे कर्मचारी हैं, जिन्हें अब तक वेतन नहीं मिला है। सरकार की वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि आज वेतन और पेंशन जैसे मुद्दों पर चर्चा करनी पड़ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया, 'इन लोगों ने लूट मचाकर खजाना पूरी तरीके से खाली कर दिया है।' तेजस्वी ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर वह एक बार नहीं, बल्कि कई बार सवाल उठा चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। राजद नेता ने बिहार में भ्रष्टाचार की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बिना घूस दिए छोटा से छोटा काम भी नहीं हो पा रहा है।

नौसेना प्रमुख ने की मॉरीशस की गृह व रक्षा सचिव से मुलाकात, समुद्री सुरक्षा पर फोकस

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन इन दिनों मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अपनी इस यात्रा के प्रारंभ में उन्होंने मॉरीशस सरकार में गृह एवं रक्षा मामलों की सचिव कान ओए फोंग वेंग-पून, मॉरीशस पुलिस बल के पुलिस आयुक्त रामप्रसाद सूरूजीबली और मॉरीशस में भारत के उच्चायुक्त अनुराग श्रीवास्तव से मुलाकात की है। इस दौरान भारत व मॉरीशस के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की इन महत्वपूर्ण बैठकों में समुद्री सुरक्षा सहयोग, मॉरीशस के राष्ट्रीय तटरक्षक बल की क्षमता बढ़ाने, और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों की संयुक्त निगरानी पर फोकस रहा। इसके अलावा, दोनों देशों के समुद्री सुरक्षा बलों के बीच परिचालन संबंधों का विस्तार भी चर्चा में रहा। भारतीय नौसेना के अनुसार, बातचीत का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में बदलती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत और मॉरीशस के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाना है। दोनों पक्षों ने समुद्री क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान, निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने और संयुक्त अभियानों के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया। भारत और मॉरीशस के बीच लंबे समय से मजबूत समुद्री साझेदारी रही है। दोनों देश हिंद महासागर में सुरक्षित और स्थिर समुद्री वातावरण सुनिश्चित करने के साझा लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं।

स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, सभी स्कूलों में चलाया गया सर्च अभियान

चंडीगढ़। चंडीगढ़ शहर में एक बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। अलग-अलग स्कूलों के संबंध में बम धमकी की सूचनाएं पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंचीं। कई स्कूलों को धमकी भरे इमेल भी मिले। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और संबंधित स्कूल परिसरों में जांच व तलाशी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान किसी भी स्कूल से बम, विस्फोटक या कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस कंट्रोल रूम को मिली सूचनाओं के अनुसार सैक्टर-38 स्थित विवेक हाई स्कूल, सैक्टर-27 स्थित भवन विद्यालय, सैक्टर-9बी स्थित कार्मेल कान्वेंट स्कूल, सैक्टर-26 स्थित सेंट जोंस हाई स्कूल व सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैक्टर-45बी स्थित सेंट स्टीफंस स्कूल और सैक्टर-49 स्थित रेयान इंटरनेशनल स्कूल को बम धमकी मिलने की सूचना मिली। एक साथ कई स्कूलों को धमकी मिलने के बाद पुलिस ने संबंधित स्कूलों में सुरक्षा जांच शुरू कर दी। पुलिस टीमों और सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर, कक्षाओं और आसपास के क्षेत्र की जांच की। बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान किसी भी स्थान से बम या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुय कर दी है। पुलिस अब धमकी भरे इमेल और कंट्रोल रूम तक पहुंची सूचनाओं की भी जांच कर रही है। पुलिस कंट्रोल रूम को मिली सूचनाओं के अनुसार सेक्टर-38 स्थित विवेक हाई स्कूल, सेक्टर-27 स्थित भवन विद्यालय, सेक्टर-9बी स्थित कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर-26 स्थित सेंट जॉन्स हाई स्कूल और सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-45बी स्थित सेंट स्टीफंस स्कूल तथा सेक्टर-49 स्थित रेयान इंटरनेशनल स्कूल को बम धमकी मिलने की सूचना मिली। एक साथ कई स्कूलों को धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। पुलिस टीमों के साथ बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी जांच के लिए लगाया गया। टीमों ने स्कूल परिसरों, कक्षाओं, विभिन्न कमरों और आसपास के इलाकों में बारीकी से तलाशी ली। सुरक्षा एजेंसियों ने स्कूलों में मौजूद संदिग्ध वस्तुओं और संभावित स्थानों की जांच की। काफी देर तक चले तलाशी अभियान के बावजूद किसी भी परिसर से बम, विस्फोटक या अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने फिलहाल किसी तरह के वास्तविक विस्फोटक खतरे की पुष्टि नहीं की है। कई स्कूलों को एक साथ धमकी मिलने के कारण विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन में भी चिंता का माहौल बन गया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति को नियंत्रित रखते हुए सुरक्षा जांच को प्राथमिकता दी और किसी भी संभावित जोखिम को लेकर पूरी सतर्कता बरती। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि धमकी भरे ईमेल कहां से भेजे गए और अलग-अलग स्कूलों को एक साथ निशाना बनाने के पीछे किसकी भूमिका है। ईमेल के तकनीकी विवरण, कंट्रोल रूम तक पहुंची सूचनाओं और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तलाशी में किसी स्कूल से बम या विस्फोटक नहीं मिलने के बावजूद पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है। अधिकारियों का कहना है कि धमकी की सूचना मिलने पर सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जांच करना जरूरी है और जांच पूरी होने तक सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। फिलहाल पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं। धमकी देने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान करने के लिए ईमेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि धमकी किस उद्देश्य से दी गई थी और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है।

अमेरिकी राजदूत गोर और एनएसए डोभाल ने की मुलाकात, रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक सहयोग को गहरा करने पर चर्चा की। अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी जरूरी है। बैठक के बाद सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत-अमेरिका रणनीतिक सहयोग को गहरा करने पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ एक अच्छी बैठक हुई। वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ हमारी करीबी साझेदारी बहुत जरूरी है। अमेरिका और भारत के कई लक्ष्य एक जैसे हैं और हमारा जुड़ाव बढ़ता जा रहा है।' इससे पहले अमेरिकी राजदूत ने सोमवार को नई दिल्ली में विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ बैठक की थी। यह बैठक दोनों देशों के बीच लगातार बातचीत और चल रहे क्षेत्रीय और वैश्विक विकास के परिप्रेक्ष्य में हुई। अमेरिकी राजदूत गोर ने एक्स पर बैठक की एक झलक साझा करते हुए लिखा था, "विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मिलना हमेशा अच्छा लगता है।" इसके अलावा, गोर ने राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा के साथ भी सोमवार को मुलाकात की और भारत-अमेरिका साझेदारी को लेकर चर्चा की और एक्स पर लिखा, 'अभी अमेरिका-भारत साझेदारी पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए सांसद मिलिंद देवड़ा से मुलाकात की। हमारे देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ाने के मौकों के बारे में हमारी अच्छी बातचीत की सराहना की।' गुरुवार को, उन्होंने नेटफ्लिक्स के सह-सीईओ टेड सारंडोस से मुलाकात की। इस दौरान सर्जियो गोर ने टेड सारंडोस को भारत में नेटफ्लिक्स के दस साल पूरे होने की बधाई दी। 'आपके लिए एक सवाल है, आपकी पसंदीदा नेटफ्लिक्स सीरीज या शो कौन-सा है।'

पुष्कर से जोतड़ावाला तक निकली भव्य डाक कांवड़ यात्रा, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मार्ग

छात्रों के मुद्दों पर एमपी भाजपा अध्यक्ष की प्रेस कॉन्फ्रेंस, विपक्ष नेता राहुल गांधी को लेकर दी तीखी प्रतिक्रिया

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी को यदि वास्तव में देश के मुद्दों पर चर्चा और सवालों के जवाब चाहिए, तो उन्हें संसद चलने देना चाहिए। राहुल गांधी को भाजपा की सीधी चुनौती है कि वह सदन का सामना करें और, क्योंकि केंद्र सरकार हर विषय पर चर्चा को तैयार करें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी सदन ही नहीं चलने दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी दिल्ली में छात्रों पर गोली चालन का झूठा आरोप लगाते हैं, झूठ पर आधारित राजनीति करते हैं। जबकि हकीकत यह है कि दिल्ली में छात्रों पर किसी भी प्रकार का गोली चालन हुआ ही नहीं। सरकार द्वार यह पूरी तरह से स्पष्ट कर दिए जाने के बाद राहुल सदन में चर्चा से कतरा रहे हैं, वह हर दिन गोलपोस्ट बदल रहे हैं, क्योंकि उन्हें मालूम है कि सदन में चर्चा हुई तो उनके झूठ का पर्दाफाश हो जाएगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के हितों का ढोंग कर रहे हैं। जंतर-मंतर में हुए छात्र आंदोलन पर मनगढंत आरोप तो लगाते हैं, लेकिन उनके समर्थन से सरकर वाले राज्य झारखंड में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुई बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज पर चुप क्यों हैं। भारतीय जनता पार्टी छात्रों के भविष्य को संवारने, उनके हितों के लिए लगातार कार्य कर रही है। पेपर लीक जैसे विषय पर कड़े कानून बनाए हैं, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी छात्रों के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने का कार्य कर रहे हैं। पिछले 15 दिनों से पूरा देश देख रहा है कि राहुल गांधी लगातार नए-नए आरोप लगाकर संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। हर दिन नया मुद्दा, हर दिन नया आरोप-राहुल गांधी की राजनीति का यही आधार बन गया है। राहुल गांधी को चर्चा चाहिए या सिर्फ हंगामा? देश अब इसका जवाब मांग रहा है। राहुल का उद्देश्य संवाद और चर्चा नहीं, बल्कि संसद में अराजकता पैदा करना है। राहुल गांधी ने संसदीय इतिहास की गरिमा और मर्यादा को तार-तार करने का काम किया है।

इस दौरान पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारीसआशीष उषा अग्रवाल सहित मीडिया विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार सदन में चर्चा करने के लिए तैयार है। छात्रों सहित हर विषय पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी चर्चा करने को तैयार नहीं। राहुल गांधी आखिर लोकतंत्र का सामना क्यों नहीं करना चाह रहे, वह सदन में चर्चा में शामिल होने से क्यों भाग रहे हैं। पहले उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इसके बाद नीट के मुद्दे पर सदन में चर्चा की मांग की। सरकार ने न केवल चर्चा की, बल्कि पेपर लीक के खिलाफ कानून को और सख्त बनाने का भी काम किया।

टीएमसी के बैंक खातों को ईडी ने किया फ्रीज, सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से किया इंकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के तीन बैंक खातों को फ्रीज करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के फैसले में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने पार्टी के रोजमर्रा के खर्चों के लिए पहले से लागू अंतरिम व्यवस्था को जारी रखने की अनुमति दी, जिसकी निगरानी अदालत द्वारा नियुक्त विशेष अधिकारी करेंगे। न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल गुट की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें ईडी द्वारा तीन एचडीएफसी बैंक खातों को फ्रीज करने के खिलाफ अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी के बागी नेता बिस्वनाथ दास की अलग याचिका का भी निपटारा कर दिया। इसी विधायक की शिकायत के आधार पर पश्चिम बंगाल पुलिस ने खातों को फ्रीज किया था।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस पारदर्शिता और व्यापक भागीदारी के माध्यम से सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में बदलाव ला रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को कहा कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पारदर्शी प्रक्रियाओं, व्यापक भागीदारी और बेहतर अवसरों के माध्यम से भारत में सार्वजनिक खरीद को बदल रहा है। साथ ही, व्यवसायों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 9 अगस्त 2016 को लॉन्च होने के बाद से सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म द्वारा की गई प्रगति पर लिखे गए एक लेख को साझा किया। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, 'पारदर्शी खरीद, व्यापक भागीदारी और बेहतर अवसर...इसी तरह सरकारी ई-मार्केटप्लेस इंडिया सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में बदलाव ला रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के विकास में प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इसने देश में व्यापार करने में आसानी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने पिछले 10 वर्षों में अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी खरीद प्रणाली के निर्माण में मदद की है। उन्होंने कहा, 'प्रौद्योगिकी को केंद्र में रखते हुए सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म ने पिछले 10 वर्षों में अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर विशेष रूप से एमएसएमई और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाकर 'व्यवसाय करने में आसानी' को मजबूत किया है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मंच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के साथ-साथ महिला उद्यमियों को सरकारी खरीद के अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गोयल के लेख को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे इस मंच की उपलब्धियों और भारत में सार्वजनिक खरीद के आधुनिकीकरण में इसकी भूमिका को गहराई से समझ सकें। सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों द्वारा खरीद प्रक्रिया को डिजिटाइज करने के लिए सरकार द्वारा शुरू किया गया सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म एक ऑनलाइन बाजार के रूप में कार्य करता है, जहां खरीदार और विक्रेता पारदर्शी और कुशल तरीके से लेनदेन कर सकते हैं।

झारखंड के छात्र आंदोलन पर घिरे राहुल गांधी, भाजपा ने लगाया दोहरा रवैया अपनाने का आरोप

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर छात्र आंदोलनों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है।

पार्टी का कहना है कि कांग्रेस जहां नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाती है, वहीं झारखंड में इसी तरह के छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई पर अपेक्षाकृत नरम रुख दिखा रही है जबकि वहां कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड के मुद्दे पर खुद से कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया और मीडिया के सवाल पूछने के बाद ही अपनी पार्टी की स्थिति सामने रखी। वहीं, संसद परिसर में वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भी इस मुद्दे पर जवाब मांगा गया। संसद में प्रवेश के दौरान प्रियंका गांधी को प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई के बावजूद राहुल गांधी झारखंड नहीं गए। भाजपा ने कांग्रेस पर अपने सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आलोचना नहीं करने का आरोप लगाते हुए इसे राजनीतिक पाखंड बताया।

संपादकीय

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने की अपराध नियंत्रण की समीक्षा: साइबर क्राइम, महिला एवं बाल अपराध, नशे के खिलाफ कार्रवाई

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस बैठक से प्रदेश के पुलिस आयुक्त, रेंज महानिरीक्षक पुलिस, पुलिस उपायुक्त एवं जिला पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, अनुसंधान, विभागीय कार्यवाहियों तथा विभिन्न विशेष अभियानों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में वर्ष 2024, 2025 एवं जुलाई 2026 तक अपराधों की तुलनात्मक स्थिति पर चर्चा की गई। संपत्ति संबंधी अपराधों में बरामदगी एवं चालानी प्रतिशत, महिला अत्याचार एवं पॉक्सो प्रकरणों की स्थिति तथा सनसनीखेज प्रकरणों में अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी ली गई। 60 एवं 90 दिवस में प्रकरणों के निस्तारण, ई-साक्ष्य तथा सम्मन की स्थिति पर भी चर्चा की गई। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए जाने के लिए प्रभावी एवं निरंतर प्रयास किए जाएं। उन्होंने नवीन आपराधिक कानूनों के तहत आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी शिकंजा कसते हुए अपराधियों के विरुद्ध त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-जीरो एफआईआर, दर्ज प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण, ई-साक्ष्य आईडी की संख्या बढ़ाने तथा ई-सम्मन की तामील सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। डीजीपी ने इन व्यवस्थाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए पुलिसिंग में तकनीक के अधिकाधिक उपयोग के निर्देश दिए। बैठक में सभी महानिरीक्षक पुलिस/ कमिश्नर द्वारा अपनी-अपनी रेंज की अपराध स्थिति एवं पुलिस कार्रवाई से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतियों में अपराधों की तुलनात्मक स्थिति, पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई तथा विभिन्न अभियानों की प्रगति से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई। महिला अत्याचार एवं पॉक्सो प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित अनुसंधान पूरा करने, पीड़ितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा निर्धारित समयावधि में प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सतर्कता शाखा से संबंधित विषयों पर भी विशेष चर्चा हुई। विभागीय कार्यवाही के प्रस्ताव एवं विभागीय जांच रिपोर्ट निर्धारित परिपत्र के अनुसार समय पर भेजने तथा लंबित विभागीय जांचों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। बैठक में परिवीक्षा काल के दौरान 16/17 CCA के स्थान पर 38(ए) CCA के तहत कार्रवाई करने, न्यायालयों में लंबित मामलों में स्टे वैकेट करवाने तथा अपराध में संलिप्त पुलिस कार्मिकों के विरुद्ध लंबित विभागीय कार्यवाहियों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमों के तहत विभागीय कार्यवाहियों के सक्षम स्तर से प्रभावी पर्यवेक्षण एवं लंबित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

साइबर अपराधों के बढ़ते स्वरूप को देखते हुए जिलों में संचालित साइबर थानों में स्वीकृत पदों के विरुद्ध उपलब्ध स्टाफ की स्थिति की जानकारी ली गई।

साइबर अपराधों में दर्ज एफआईआर एवं गिरफ्तारियों की तुलनात्मक स्थिति, म्यूल बैंक खातों एवं साइबर अपराध के हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान तथा साइबर अपराध में प्रयुक्त सिम कार्ड के हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर कार्रवाई की प्रगति पर चर्चा हुई। साइबर स्लेवरी से जुड़े मामलों में एजेंटों एवं पीड़ितों के संबंध में की जा रही कार्रवाई को प्रभावी बनाने तथा अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध नेटवर्क के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए। OCWC/Tipline पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी जोर दिया गया।

बीकानेर सहकारी उपभोक्ता होलसेल भंडार के अध्यक्ष व कर्मचारी धरने पर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर सहकारी उपभोक्ता होलसेल भंडार के निर्वाचित अध्यक्ष नगेंद्र पाल सिंह शेखावत और महाप्रबंधक जोगेन्द्र सिंह शेखावत के बीच ठन गई है। भंडार के अध्यक्ष खुद कर्मचारियों के समर्थन में सहकारिता विभाग के अतिरिक्त रजिस्ट्रार कार्यालय में धरने पर बैठ गए हैं।

कर्मचारियों ने अध्यक्ष को दिए ज्ञापन में महाप्रबंधक द्वारा अपमानजनक व्यवहार, अपशब्द बोलने और कमीशन मांगने के आरोप लगाते हुए कार्य बहिष्कार कर दिया है। भंडार अध्यक्ष नगेंद्र पाल सिंह शेखावत ने भी महाप्रबंधक के व्यवहार को लेकर जोनल एडिशनल रजिस्ट्रार संजय गर्ग को ज्ञापन सौंपा। मामले में उप रजिस्ट्रार प्रियंका जांगिड़ को जांच के निर्देश दिए गए हैं।

धरने पर बैठे कर्मचारियों और अध्यक्ष का कहना है कि जब तक उनके बयान दर्ज नहीं किए जाते, वे धरना समाप्त नहीं करेंगे और काम पर भी नहीं लौटेंगे। घटना से बीकानेर के सहकारी क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है।

उल्लेखनीय है कि भंडार की माली हालत ठीक नहीं होने के कारण भंडार बड़ी विकट परिस्थितियों से गुजर रहा है। कर्मचारियों ने भंडार अध्यक्ष नगेंद्र पाल सिंह शेखावत को ज्ञापन सौंपकर महाप्रबंधक जोगेन्द्र सिंह शेखावत पर अपमानजनक व्यवहार करने, अपशब्द बोलने और कमीशन मांगने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

6 प्रभावित व्यापारियों को ट्रांसपोर्ट नगर में दुकानें आवंटित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित व्यापारियों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए भरतपुर जिला व्यापार महासंघ द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे संघर्ष एवं आंदोलन को अब बड़ी सफलता मिली है। महासंघ एवं नगर निगम भरतपुर के बीच 11 जुलाई 2026 को हुई लिखित सहमति के तहत मुआवजा प्रक्रिया के प्रथम चरण में ऑटोमोबाइल मार्केट, कुम्हेर गेट के 6 प्रभावित व्यापारियों को ट्रांसपोर्ट नगर फेज-1 में दुकानों का आवंटन किया गया। नगर निगम प्रशासन द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 10651 दिनांक 10 अगस्त 2026 की पालना में अधिकारियों एवं व्यापारियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से लॉटरी निकाली गई। इस प्रक्रिया में सीता खंडेलवाल, नत्थीमल अग्रवाल, शशी अग्रवाल, बलबीर सिंह, पोखन सिंह एवं हरिमोहन गुप्ता को ट्रांसपोर्ट नगर फेज-1 में दुकानें आवंटित की गईं। महासंघ के जिलाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने स्पष्ट कहा कि संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है।

पुरानी पेंशन योजना के लिए विकल्प भरने की अंतिम तिथि 30 सितंबर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए 1 जनवरी 2004 तथा उसके बाद राजकीय सेवा में नियुक्त होकर 31 मार्च 2022 तक सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (OPS) का विकल्प देने संबंधी निर्देश जारी किए हैं।मुख्य लेखाधिकारी, प्रारम्भिक शिक्षा एवं पंचायतीराज (प्रा.शि.), राजस्थान, बीकानेर द्वारा जारी आदेश के अनुसार ऐसे कार्मिक, जो नवीन अंशदायी पेंशन योजना (NPS) के अंतर्गत थे और जिन पर राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू किए जाने के प्रावधान प्रभावी हैं, उन्हें 1 अप्रैल 2022 से राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 के अंतर्गत पेंशन प्राप्त करने का विकल्प दिया जाएगा।

यह निर्देश वित्त विभाग (नियम अनुभाग), राजस्थान सरकार के 5 अगस्त 2026 के परिपत्र के संदर्भ में जारी किए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अधिसूचना दिनांक 19 मई 2022 की शर्तों की पालना करने वाले पात्र सेवानिवृत्त कार्मिक ही इस विकल्प का लाभ ले सकेंगे। निदेशालय ने संयुक्त निदेशकों, जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों तथा विभागीय परीक्षा कार्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ सभी कार्यालयों में इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। आदेश में यह भी कहा गया है कि पात्र कर्मचारियों को विकल्प भरवाने के लिए व्यापक सूचना दी जाए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि विकल्प प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। इस तिथि के बाद किसी भी कर्मचारी को पुरानी पेंशन योजना का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। निदेशालय ने सभी संबंधित कार्यालयाध्यक्षों को समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा भविष्य में किसी प्रकार की विपरीत स्थिति से बचने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए ऑनलाइन सेतु एप होगा लागू

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आईएचएमएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से तैयार किया गया ऑनलाइन सेतु एप को जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं एम्बुलेंस में उपयोग में लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस सेतु एप के माध्यम से रेफरल होने के बाद उच्च चिकित्सा संस्थान में पूर्व में ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा सकेंगी तथा क्यूआर कोड के माध्यम से रेफर संस्थान को मरीज के पहुंचने से पूर्व ही मरीज की रिपोर्ट प्राप्त होगी, जिससे इलाज की तैयारी पूर्व में हो सके।

प्रमुख शासन सचिव ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मातृ मृत्यु के मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों के साथ उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए।

डांगावास में पीड़ितों के बीच पहुँचे टीकाराम जूली ने पूछा आरोपी बरी हो गए तो दलितों की हत्याएं किसने की?

एजेंसी, थिंक राजस्थान

डांगावास (मेड़ता)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने डांगावास स्थित चर्चित 2015 हत्याकांड के प्रभावित परिवारों से मंगलवार को मेघवालों के मोहल्ले में मुलाकात कर उनका दुख-दर्द बांटा और उन्हें भरोसा दिलाया कि वे पीड़ित परिवारों के साथ हैं। 11 वर्षों के लंबे और वेदनापूर्ण इंतजार के बाद विशेष न्यायालय द्वारा आए फैसले के पश्चात जूली ने कहा कि इस फैसले से पीड़ित परिवार पूरी तरह टूट चुके हैं और ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट किया कि पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि परिजनों ने न्यायालय में गवाही और बयान बदलने के तमाम आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की जनता और न्याय व्यवस्था के सामने यह यक्ष प्रश्न खड़ा हो गया है कि यदि कानून की नजर में सभी आरोपी बरी हो चुके हैं, तो डांगावास के उस भयावह और दर्दनाक हत्याकांड को आखिर अंजाम किसने दिया था? इस मुलाकात के बाद टीकाराम जूली ने सीधे तौर पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को घेरते हुए कहा जा यह जघन्य हत्याकांड हुआ था तब 2015 में भी भाजपा सरकार थी और आज 11 साल बाद जब मामले के तमाम आरोपी बरी हो गए हैं, तब भी प्रदेश में भाजपा की ही सरकार है। उन्होंने कहा कि यह पूरी क्रोनोलॉजी साफ दर्शाती है कि भाजपा सरकार न तो दलितों, शोषितों और पीड़ितों की रक्षा करने में सक्षम है और न ही उन्हें न्याय दिलाने की नीयत रखती है। लचर व्यवस्था के कारण आज पीड़ितों को इंसाफ से महरूम होना पड़ा है। नेता प्रतिपक्ष ने तत्कालीन सरकार द्वारा किए गए वादों को याद दिलाते हुए कहा कि उस वक्त सरकार ने प्रभावित परिवारों को संविदा पर नौकरी, आर्थिक सहायता तथा सुरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस देने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। जूली ने वर्तमान सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवारों को राहत देने के लिए इन सभी वादों को बिना किसी देरी के तत्काल पूरा किया जाए।

कक्षा 5 व 8 परीक्षा से पहले स्कूलों को डेटा अपडेट के निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। प्रारम्भिक शिक्षा विभाग ने कक्षा 5 की प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन परीक्षा और कक्षा 8 की प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण-पत्र परीक्षा 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शिक्षा निदेशक ललित कुमार ने सभी डाईट एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को परीक्षा आवेदन शुरू होने से पहले विद्यालयों और विद्यार्थियों का रिकॉर्ड दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। दोनों परीक्षाओं के ऑनलाइन आवेदन अगस्त-सितम्बर 2026 में शाला दर्पण परीक्षा पोर्टल के माध्यम से भरे जाएंगे, जबकि परीक्षाएं फरवरी 2027 में प्रस्तावित हैं। विद्यार्थियों के नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि सहित अन्य विवरणों में त्रुटियां होने पर नियमानुसार संशोधन कराने को कहा गया है। विद्यालय प्रोफाइल, मान्यता, ब्लॉक एवं जिला संबंधी जानकारी भी अपडेट करनी होगी। परीक्षा आवेदन से पहले प्राथमिकता से निस्तारण करने को कहा गया है।

लघु उद्योग भारती की बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, सदस्यता बढ़ाने और कार्यकारिणी गठन पर जोर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। लघु उद्योग भारती, टोंक जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रांतीय महासचिव सुनीता शर्मा के नेतृत्व तथा सह जिला संघचालक दिनेश बुंदेल के सानिध्य में आयोजित की गई। इस बैठक में टोंक जिले में संगठन के विस्तार, नए सदस्यों को जोड़ने और स्थानीय उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर गहन चर्चा हुई।

नई कार्यकारिणीः प्रांतीय महासचिव सुनीता शर्मा ने टोंक इकाई की नई कार्यकारिणी के गठन हेतु योग्य व समर्पित सदस्यों के नाम प्रस्तावित करने का आह्वान किया।

सदस्यता अभियान व बैठकेंः उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए व्यापक सदस्यता अभियान चलाने तथा नियमित मासिक बैठकें आयोजित करने पर बल दिया।

प्रांतीय बैठक में भागीदारीः शर्मा ने आगामी 14 अगस्त को आयोजित होने वाली प्रांतीय

त्रैमासिक बैठक में टोंक इकाई से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। साथ ही, उन्होंने जयपुर में संस्था द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और नए स्टार्टअप्स को मिल रहे लाभों की जानकारी साझा की।

बैठक के दौरान सह जिला संघचालक दिनेश बुंदेल, विभाग प्रचार प्रमुख महेंद्र विजय और सह विभाग कार्यवाह पूर्ण जी ने महत्वपूर्ण सुझाव दिएः

गैर-औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयांः उन्होंने कहा कि रीको व तय औद्योगिक क्षेत्रों के बाहर भी कई छोटे-बड़े उद्योग संचालित हो रहे हैं। ऐसे सभी उद्यमियों को चिन्हित कर लघु उद्योग भारती से जोड़ा जाना चाहिए ताकि जिले का पूरा औद्योगिक वर्ग एक मंच पर आ सके।

इस अवसर पर महिला उपाध्यक्ष (जयपुर) अलका गौड़, इकाई सचिव लोकेश जैन और सदस्य सुनील गुप्ता सहित कई प्रमुख उद्यमी व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में टोंक इकाई के सचिव लोकेश जैन ने सभी अतिथियों और पधारे उद्यमियों का आभार व्यक्त किया।

समरसता का संदेश लेकर सरदारशहर पहुंची 'कलश वंदन यात्रा', राम मंदिर में हुआ कलश पूजन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत निकाली जा रही 'कलश वंदन यात्रा' के सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचने पर पुलासर मंडल के मेलुसर बीकन ग्राम में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद यात्रा सरदारशहर के टांटिया कुआं स्थित राम मंदिर पहुंची, जहां कलश पूजन एवं पुष्प अर्पित कर जयघोष के साथ यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा के साथ पहुंचे कार्यक्रम संयोजक एवं प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला तथा सह-संयोजक एवं भाजपा नेता राकेश जांगिड़ का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। पूर्व प्रदेश मंत्री व कार्यक्रम संयोजक वासुदेव चावला ने संत रविदास जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए 'कठौती में गंगा' सहित उनके जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंग सुनाए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डालाराम महिया, राजवीर सिंह, दीपक शर्मा, डेयरी अध्यक्ष लालचंद मूंड, भूमि विकास बैंक अध्यक्ष ईश्वर डूडी, राजेंद्र सिंह छाजूसर, दुनीचंद जोशी, पवन सैनी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अख्तर खान, राकेश टाक, मोहन सिंह राजपूत, ओमप्रकाश सारण, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष मनोज दर्जी, सुशील प्रजापत, राजकरण सोनी, बाबूलाल प्रजापत, विकास राकसिया, अनिल चिराणियां, मुकेश सेवदा, प्रदीप दीक्षित, राजूनाथ सिद्ध, अजय भाटी, भंवरलाल गोरसिया, सुरेश वर्मा, दिनेश सोनगरा, प्रशांत चौधरी, इंद्र सिंह, तारानगर मंडल अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल, जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश ढाका, जगदीश पिंगोलिया, सरपंच रतिराम डूडी, दारा सिंह, सोहन ढिढारिया, प्रकाश पारीक, गजेंद्र पारीक, ओमप्रकाश माली, सरपंच परसाराम सारण, जाकिर खोखर सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-3 भर्तीः 'ओनली काउंसलिंग' अभ्यर्थियों को 12 अगस्त तक नियुक्ति आदेश जारी करने के निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान बीकानेर ने पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-3 सीधी भर्ती 2024 के गैर-अनुसूचित एवं अनुसूचित क्षेत्र के अंतिम रूप से चयनित तथा अभिस्तावित अभ्यर्थियों के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। निदेशालय ने कहा है कि जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेज संबंधित विश्वविद्यालयों व संस्थानों से सत्यापित हो चुके हैं, उन्हें 12 अगस्त 2026 तक नियुक्ति आदेश जारी किए जाएं। जारी आदेश में कार्यग्रहण की अंतिम तिथि 2 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। साथ ही नियुक्ति आदेश विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर निर्धारित ई-मेल पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। निदेशालय ने संबंधित अभ्यर्थियों को 16 अगस्त को आयोजित रोजगार मेले में भाग दिलाने के भी निर्देश दिए हैं। आदेश में 'ओनली काउन्सिलिंग' श्रेणी के जिला आवंटित अभ्यर्थियों की सूची संलग्न की गई है।

निदेशालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिन चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज संबंधित विश्वविद्यालयों और संस्थानों से सत्यापित हो चुके हैं, उनके नियुक्ति आदेश 12 अगस्त 2026 तक जारी किए जाने हैं। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि नियुक्ति प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं की जाए और पात्र अभ्यर्थियों को समय पर नियुक्ति आदेश उपलब्ध करवाए जाएं। आदेश में नियुक्त अभ्यर्थियों के कार्यग्रहण की अंतिम तिथि 2 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। यानी नियुक्ति आदेश जारी होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करना होगा।

जिला स्तर पर अधिकारियों को कार्यग्रहण प्रक्रिया की निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। निदेशालय ने नियुक्ति आदेशों को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ-साथ निर्धारित ई-मेल पते पर भेजने के निर्देश दिए हैं। इससे चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति से संबंधित जानकारी समय पर उपलब्ध हो सकेगी और विभागीय स्तर पर प्रक्रिया का रिकॉर्ड भी व्यवस्थित रूप से संधारित किया जा सकेगा। इसके अलावा संबंधित अभ्यर्थियों को 16 अगस्त को आयोजित होने वाले रोजगार मेले में भाग दिलाने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि चयनित अभ्यर्थियों की रोजगार मेले में भागीदारी सुनिश्चित की जाए और उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। जारी आदेश के साथ 'ओनली काउन्सिलिंग' श्रेणी के जिला आवंटित अभ्यर्थियों की सूची भी संलग्न की गई है। संबंधित अधिकारियों को सूची के अनुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्थान/ प्रादेशिक

महिला का आरोप- 'ASI बोला-घर में ड्रग्स रखकर फंसा दूंगा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। एक महिला अपने परिवार के साथ आईजी डॉ. प्रीति चंद्रा के पास पहुंची और गांव के कुछ दबंग लोगों और ASI भूरी सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। महिला का आरोप है कि 18 जून की रात घर में घुसकर उसके और परिवार के साथ मारपीट की गई, जबकि उसकी बच्ची के साथ अश्लील हरकत की गई। महिला ने जब मारपीट की शिकायत की तो पुलिस की ओर से राजीनामे का दबाव बनाया गया और बाद में ASI पर घर में घुसकर धमकी देने का भी आरोप लगाया। बोला- घर में मादक पदार्थ रखकर फंसा दूंगा। मामले में थाना अधिकारी पवन यादव के अनुसार कोर्ट के जरिए दर्ज मुकदमे की जांच चल रही है। जब इस मामले में ASI भूरी सिंह का पक्ष जानने की कोशिश की तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। महिला ने बताया कि 18 जून की रात करीब 10 बजे वह अपने बच्चों के साथ घर में सो रही थी। इसी दौरान गांव के कुछ दबंग लोग उसके घर पर आए और अंदर घुस गए। महिला का आरोप है कि दबंगों ने उसके और उसके बच्चों के साथ मारपीट की। इस दौरान उसकी बच्ची के साथ अश्लील हरकत भी की गई। महिला ने आरोप लगाया कि मारपीट करने वाले लोग उस पर और उसके पति पर प्लॉट बेचने का दबाव बना रहे हैं। महिला के अनुसार दबंगों ने धमकी दी कि अगर प्लॉट नहीं बेचा तो वे उस पर कब्जा कर लेंगे। साथ ही यह भी कहा कि पुलिस उनका कुछ नहीं कर पाएगी। महिला ने बताया कि मारपीट की घटना में उसकी बेटी को गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज अभी जारी है। महिला ने बताया कि घटना के बाद उसने थाने में शिकायत की। आरोप है कि इसके बाद पुलिस की ओर से उस पर राजीनामा करने का दबाव बनाया जाने लगा। महिला का आरोप है कि घटना के दो दिन बाद ASI भूरी सिंह दो लोगों को सिविल ड्रेस में साथ लेकर उसके घर में घुस गया। महिला ने आरोप लगाया कि ASI ने उसे, उसके पति और बच्चों को गालियां दीं। साथ ही घर में मादक पदार्थ रखकर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया। महिला ने बताया कि पुलिस ने मारपीट को लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया, लेकिन उसकी बच्ची का मेडिकल नहीं करवाया गया। महिला का कहना है कि उसे मामले में न्याय नहीं मिला, इसलिए वह अपने परिवार के साथ आईजी डॉ. प्रीति चंद्रा के पास पहुंची। यहां उसने ASI भूरी सिंह सहित गांव के दबंग लोगों के खिलाफ शिकायत दी और कार्रवाई की मांग की। थाना अधिकारी पवन यादव ने बताया कि महिला ने कोर्ट के जरिए मुकदमा दर्ज करवाया था। मामले को लेकर जांच चल रही है।

त्रिपोलिया गेट से 15 अगस्त को निकलेगी तीज की सवारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

175 लोक कलाकार देंगे राजस्थानी नृत्यों की प्रस्तुति; 13 जगह होंगे लाइव दर्शन

जयपुर में तीज माता की शाही सवारी 15 अगस्त को निकाली जाएगी। त्रिपोलिया गेट से शाम 5:30 बजे माता की भव्य शाही सवारी निकलेगी। इस मौके पर जयपुर की ऐतिहासिक महल-अटारियों, झरोखों और द्वारों से जहां तीज माता की जय-जयकार गूंजेगी। वहीं सवारी निकलने के अलग-अलग रास्तों में खड़े लोग भी इस सवारी को देख सकेंगे। पर्यटन विभाग की ओर से छोटी चौपड़ सहित जयपुर में 13 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी, जहां शाही सवारी का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इस बार तीज सवारी को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ा गया है। शाही सवारी के दौरान ड्रोन से पुष्पवर्षा कराई जाएगी। शौर्य सेवा संगठन की ओर से बालिकाएं तलवारबाजी का कौशल प्रदर्शन करेंगी। इससे सवारी का पारंपरिक और राजसी स्वरूप पहले से अधिक भव्य नजर आएगा।

अग्निवीर ट्रेनिंग पूरी कर देवेन्द्र गांव लौटे: ग्रामीणों ने किया अभिनंदन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जावला। जावला के रेखाराम जी ढाणी के निवासी अग्निवीर देवेन्द्र खलबदानिया पुत्र श्री शैतानराम खलबदानिया को सात महीने का प्रशिक्षण पूरा कर पहली बार घर पहुंचने पर परिजनों और ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर देवेन्द्र खलबदानिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया। उन्होंने युवाओं से कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने और देश सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। स्वागत समारोह में उगराराम खलबदानिया ,चेनाराम दडिया , रामदेव बोला,धनाराम बोला, युवा नेता श्रवण कलिया, प्रकाश खलबदानिया,किशोर खलबदानिया,सुरेश सेन, रिछपाल बोला,रूपेश सेन, लोकेश सहित मौजूद रहे। अग्निवीर देवेन्द्र खलबदानिया ने सात माह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद पहली बार गांव पहुंचकर सभी का आभार व्यक्त किया।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय टोंक पर आगामी निकाय चुनावों को लेकर महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं अजमेर संभाग चुनाव प्रभारी अरुण चतुर्वेदी ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान निकाय चुनाव में संगठन को और अधिक मजबूत करने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी चुनावी रणनीति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में वार्डवार संगठनात्मक स्थिति, स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क, मतदाताओं से संवाद तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। निकाय चुनाव में प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभाते हुए जनता के बीच सक्रिय रहना होगा।

एसीबी ने दो बिचौलियों जगजीत सिंह और ऋषिराज सिंह को किया गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

ब्यावर। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की टीम ने ब्यावर के मोटर वाहन निरीक्षक (MVI) जल सिंह मीणा से जुड़े रिश्वतखोरी के मामले (FIR No. 19/2026) में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसीबी की जयपुर नगर तृतीय इकाई ने मामले के वांछित आरोपी जगजीत सिंह उर्फ जगत बन्ना और ऋषिराज सिंह राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी मुख्यालय के निर्देशानुसार, एएसपी ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में टीम ने हिरासत के दौरान दोनों आरोपियों से उपलब्ध साक्ष्यों और रिश्वत के लेनदेन से जुड़े तथ्यों के संबंध में गहन पूछताछ की।

कानूनी प्रक्रिया के तहत गिरफ्तारीः वैधानिक प्रावधानों और तय प्रक्रिया का पालन करते हुए एसीबी ने 10 अगस्त 2026 को जगजीत सिंह और ऋषिराज सिंह (दोनों निवासी जिला अजमेर) को गिरफ्तार किया।

अदालत में पेशीः गिरफ्तार दोनों आरोपियों को 11 अगस्त 2026 को एसीबी मामलों की विशेष अदालत, अजमेर में प्रस्तुत किया जा रहा है।

सरकारी कालेज में मुंशी प्रेमचंद पर चित्र प्रर्दशनी व सवांद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। जिले के निवाई राजकीय कन्या महाविद्यालय में बालिकाओं के शैक्षणिक बौद्धिक व साहित्यिक विकास को प्रोत्साहित करने के उदेश्य से मंगलवार को निवाई के राजकीय कन्या महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कालेज के प्रार्चाय सी एल मीणा के निर्दशन में अजीम प्रेमजी फाउडेंशन के प्रतिनिधि अनिल गुप्ता व शंताति ने इस अवसर पर प्रेमंचद के साहित्य व संवैधानिक मूल्यों के विविध पहलुओं पर छात्राओं से सार्थक चर्चा की। इस अवसर पर छात्राओं को अजीम प्रेमजी छात्रवृति की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिनिधियों ने छात्रवृति की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, के बारें मे विस्तृत जानकारी देते हुए छात्राओं को अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। गौरतलब है कि यह छात्रवृति बालिकाओं को आर्थिक मदद करते हुए उनकी उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने में मददगार है।

द्वितीय सत्र में छात्राओं ने मुंशी प्रेमचंद के जीवन और विचारों से संबधित चित्र प्रर्दशनी का अवलोकन किया। प्रर्दशनी में प्रेमचंद के साहित्य और जीवन से संबधित मूल्यों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया। अवलोकन के बाद प्रेमंचद पर आधारति क्विज प्रतियोगिता व प्रेंमचंद की कहानी पंच परमेश्वर पर आधारित संवाद में भागीदारी की।

प्रेमचंद का साहित्य हमें सवैधानिक मुल्यों खासकर समानता, न्याय, बंधुत्व स्वंतन्त्रता पर जागृत करता है। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं और फेकल्टी ने भागीदारी करते हुए अजीम प्रेमजी फाउडेंशन का आभार व्यक्त किया।

चौधरी बेगाराम रणवां के 87वें जन्मदिवस पर विद्यालयों में पौधारोपण, प्रतिभाओं का सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। (विनोद धायल) चौधरी बेगाराम रणवां के 87वें जन्मदिवस के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में पौधारोपण, प्रतिभावान विद्यार्थियों के सम्मान एवं मिठाई वितरण सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम चौधरी बेगाराम रणवां के सानिध्य में हुए। इस दौरान राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बुच्यासी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लिखमाकाबास, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चारणवास तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय चक कैलाश में पौधारोपण किया गया।

विद्यार्थियों और उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों की देखभाल एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को मिठाई वितरित की गई। शिक्षकों ने चौधरी बेगाराम रणवां के सामाजिक सरोकारों एवं सेवा कार्यों को प्रेरणादायी बताते हुए उनके दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में धन्नाराम रणवां, बजरंग सिंह रणवां, पूर्व जिला परिषद सदस्य भंवर लाल रणवां, गजानंद रणवां, एडवोकेट राजेंद्र रणवां, रामलाल रणवां, गुलाब, काशी राम , महेंद्र बगड़ियां, मदन लाल रणवां, भंवर लाल जाखड़, श्रवण, सागर गढ़वाल, भगवान जाखड़, सुखराम ,झाबर बिजारणिया, जगदीश, मदन भावरिया एवं कन्हैयालाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन, ग्रामीण एवं राजकीय विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय स्टाफ एवं ग्राम पंचायत का विशेष सहयोग रहा।

छात्रसंघ चुनाव बहाली समेत 26 सूत्रीय मांगों को लेकर NSUI का विशाल प्रदर्शन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। NSUI जोधपुर शहर द्वारा छात्रसंघ चुनाव बहाली एवं विद्यार्थियों की लंबित 26 सूत्रीय मांगों को लेकर एम. एल. चौधरी के नेतृत्व में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय (JNVU हेड ऑफिस) का विशाल घेराव एवं प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में NSUI पदाधिकारी, छात्रनेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए तथा विद्यार्थियों की मांगों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समय पर वार्ता नहीं किए जाने पर आक्रोशित एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जेएनवीयू हेड ऑफिस के मुख्य द्वार के सामने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। धक्कामुक्की के दौरान कुछ NSUI कार्यकर्ताओं के शर्ट तक फट गए। कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों की मांगों पर तत्काल वार्ता एवं सकारात्मक कार्रवाई की मांग की।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद की 27वीं वार्षिक प्रतिनिधि सभा आयोजित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। यूथ हॉस्टल, ग्रेटर रातानाडा, जोधपुर में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की 27वीं वार्षिक प्रतिनिधि सभा का आयोजन किया गया। सभा में देशभर से आए पूर्व सैनिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण, समस्याओं एवं उनके निराकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बीकानेर इकाई के संरक्षक कर्नल हेम सिंह शेखावत, सेवा मेडल के सानिध्य में इकाई अध्यक्ष सार्जेंट तोड़ाराम गोलिया, इकाई सचिव सार्जेंट ओंकार सिंह भाटी, उपाध्यक्ष सूबेदार किशन सिंह शेखावत एवं सह सचिव सूबेदार गिरधर सिंह राठौड़ ने प्रतिनिधि सभा में भाग लिया। बीकानेर इकाई के संरक्षक कर्नल हेम सिंह शेखावत, सेवा मेडल ने कहा कि इस प्रकार की पूर्व सैनिक प्रतिनिधि सभाओं का प्रतिवर्ष आयोजन अत्यंत आवश्यक है। इन सभाओं के माध्यम से पूर्व सैनिकों के कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है। साथ ही, विभिन्न स्तरों पर समन्वय स्थापित कर पूर्व सैनिकों की समस्याओं का प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक देश की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं और उनके कल्याण एवं सम्मान से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ उठाना परिषद का प्रमुख दायित्व है। वार्षिक प्रतिनिधि सभा पूर्व सैनिकों के बीच संवाद, समन्वय और संगठनात्मक मजबूती का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बीकानेर इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने भी भाग लिया। बीकानेर इकाई के संरक्षक कर्नल हेम सिंह शेखावत, सेवा मेडल के सानिध्य में इकाई अध्यक्ष सार्जेंट तोड़ाराम गोलिया, इकाई सचिव सार्जेंट ओंकार सिंह भाटी, उपाध्यक्ष सूबेदार किशन सिंह शेखावत तथा सह सचिव सूबेदार गिरधर सिंह राठौड़ ने वार्षिक प्रतिनिधि सभा में सहभागिता की। साथ ही समस्याओं के प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान के लिए आपसी समन्वय बढ़ाने और संबंधित स्तर पर आवश्यक पहल करने पर जोर दिया गया।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती : हिंगोटिया के गुरु पीडी स्कूल में राजस्थान पुलिस ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राजस्थान पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को गुरु पीडी स्कूल, हिंगोटिया में बालक-बालिकाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन परिचय, उनके व्यक्तित्व, राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं राष्ट्रीय एकता के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को सरदार पटेल जी के आदर्शों एवं विचारों को अपने जीवन में अपनाकर देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराध एवं बैंकिंग फ्रॉड के प्रति जागरूक करते हुए ATM एवं UPI फ्रॉड के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। बच्चों को समझाया गया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, PIN, CVV, बैंक खाते से संबंधित जानकारी अथवा UPI PIN साझा न करें, अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज के झांसे में न आएं।

कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, POCSO Act, बाल सुरक्षा, यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के महत्व तथा सड़क पर नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त RajCop Citizen App की उपयोगिता एवं पुलिस की विभिन्न नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को पुलिस हेल्पलाइन नंबरों एवं आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने के तरीकों से भी अवगत कराया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता, साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा, यातायात नियमों तथा पुलिस सेवाओं के प्रति जागरूक बनाकर एक सुरक्षित एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नोखा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 3330 नशीली गोलियों सहित दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। नोखा पुलिस ने 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 3330 नशीली गोलियां व कैप्सूल बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस महानिरीक्षक बीकानेर रेंज ओमप्रकाश और जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बनवारी लाल तथा वृत्ताधिकारी नोखा जरनैल सिंह के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। थानाधिकारी गोविंद सिंह चारण को एएनटीएफ बीकानेर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने कार्रवाई कर आरोपियों के कब्जे से 1630 ट्रामाडोल टैबलेट, 1200 अल्प्राजोलम टैबलेट, 250 प्रेगाबालिन कैप्सूल तथा 250 टेपेंटाडोल टैबलेट बरामद कीं। कुल 3330 नशीली टैबलेट व कैप्सूल जब्त किए गए। साथ ही मोटरसाइकिल संख्या आर के 50 एससी 9630 भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मनोरंजन समाचार

लोमड़ी के बजाय कुत्ता कहलाना पसंद करूंगी, नसीरुद्दीन शाह के कमेंट पर कंगना रनौत का पलटवार

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह पर तीखा हमला बोला है। छात्र आंदोलनों को लेकर बॉलीवुड की भूमिका पर चल रही बहस के बीच कंगना ने अभिनेता की पुरानी टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। कंगना ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में नसीरुद्दीन शाह को 'लोमड़ी' कहा और देश के प्रति उनकी वफादारी पर सवाल उठाए। दरअसल, कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खबर साझा की, जिसमें अभिनेता पीयूष मिश्रा के नसीरुद्दीन शाह को लेकर दिए गए हालिया बयान का जिक्र था। इसमें नसीरुद्दीन शाह उस पुरानी टिप्पणी का भी उल्लेख था, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों की चुप्पी पर 'मुंह में हड्डी दबाए कुत्ते' वाली कहावत कही थी। इसी खबर को शेयर करते हुए कंगना ने अपनी बात रखी और नसीरुद्दीन शाह पर सीधे हमला किया। कंगना ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''सच तो यह है कि हर कोई किसी न किसी का कुत्ता है, लेकिन मुझे इस बात का गर्व है कि मैं जिस घर (देश) की रोटी खाती हूं, उसकी रखवाली करती हूं और उसके लिए लड़ती हूं। नसीर साहब खाते तो

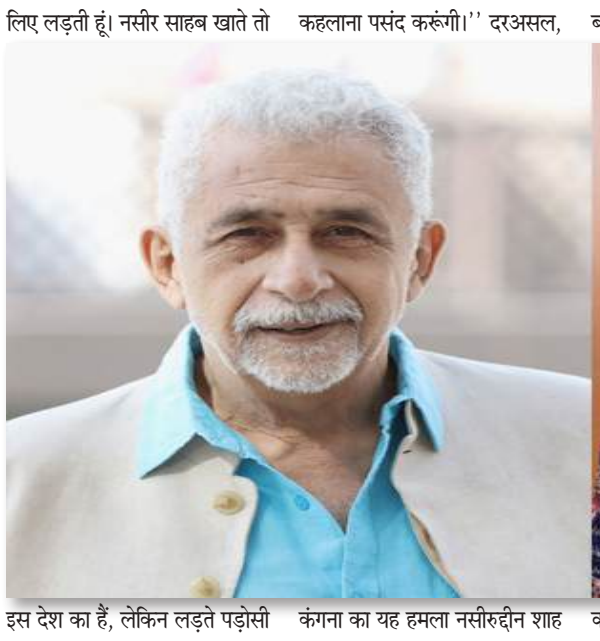

इस देश का हैं, लेकिन लड़ते पड़ोसी देश के लिए हैं।'' कंगना ने अपने पोस्ट में कहा, ''आज के समय में किसी इंसान को कुत्ता कहना भी एक तरह की तारीफ है, क्योंकि वफादारी और मासूमियत बहुत कम देखने को मिलती है। मैं नसीरुद्दीन शाह जैसे 'लोमड़ी' बनने के बजाय कुत्ता कहलाना पसंद करूंगी।'' दरअसल, कंगना का यह हमला नसीरुद्दीन शाह की उस टिप्पणी से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने छात्र प्रदर्शनों को लेकर बॉलीवुड के बड़े कलाकारों की चुप्पी पर सवाल उठाया था। नसीरुद्दीन शाह से पूछा गया था कि देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और छात्र आंदोलनों के बीच बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां खुलकर अपनी बात क्यों नहीं रखतीं। इस पर नसीरुद्दीन शाह ने कहा था, ''वे ऐसा तब करेंगे जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को कहेगा। एक कहावत है, जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी होती है, वह भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उनके मुंह से गिर जाएगी या उनके दांत टूट जाएंगे, तब वे भौंकेंगे। उनके इस बयान पर अभिनेता पीयूष मिश्रा ने पलटवार किया था। पीयूष मिश्रा ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जुड़े मुद्दों को लेकर रांची में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में बात करते हुए शाह की इस टिप्पणी का जिक्र किया और कहा, ''जिनके मुंह में हड्डियां होती हैं, वे बोल नहीं सकते। लेकिन मैं नसीर साहब से पूछना चाहता हूं कि अभी किसके मुंह में हड्डियां हैं? क्या आप लोग इसलिए चुप रहे क्योंकि आपको पिज्जा और बर्गर की तलब थी या इसलिए कि आप जिस भीड़ का हिस्सा थे, वह खास तरह की थी? माफ कीजिएगा नसीर साहब, लेकिन अब मुझे आपसे डर नहीं लगता।'' कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खबर साझा की, जिसमें अभिनेता पीयूष मिश्रा के नसीरुद्दीन शाह को लेकर दिए गए हालिया बयान का जिक्र था। इसी खबर को शेयर करते हुए कंगना ने नसीरुद्दीन शाह की पुरानी टिप्पणी का भी संदर्भ लिया और उन पर तीखा कटाक्ष किया। इस पर नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड की चुप्पी पर कटाक्ष करते हुए एक कहावत का जिक्र किया था।

सनी देओल के अभिनय को देखकर खामोश हो जाता था पूरा सेट, कनिका कपूर ने साझा किया अनुभव

बॉलीवुड में कदम रखने जा रहीं अभिनेत्री कनिका कपूर इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म 'बटवारा 1947' को लेकर चर्चा में हैं।

राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1947 के भारत विभाजन की कहानी और उस दौर में लोगों की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में कनिका कपूर के साथ करण देओल, अली फजल, शबाना आजमी और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को लेकर कनिका काफी उत्साहित हैं और शूटिंग से जुड़ी यादों को आईएएनएस के साथ साझा किया। इसी दौरान उन्होंने सनी देओल और प्रीति जिंटा के साथ जुड़े ऐसे अनुभव बताए, जो उनके लिए हमेशा खास रहेंगे। आईएएनएस से बात करते हुए कनिका कपूर ने कहा, ''जब मैं राजवीर की डेब्यू फिल्म 'दोनों' में काम कर रही थीं, तब मुझे सनी देओल से मिलने का अवसर मिला। वह हमेशा बेहद शालीनता से पेश आते थे। उनके साथ मुलाकात और सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए बेहद यादगार अनुभव रहा।'' सनी देओल के अभिनय को याद करते हुए कनिका ने कहा, ''मुझे याद है कि एक-दो सीन्स में मेरा छोटा-सा हिस्सा था। मैं बैठकर उन्हें अभिनय करते हुए देखा करती थी। जिस तरह से वह अपने डायलॉग्स बोलते थे, वह देखने लायक था। वह एक डायलॉग बोलते और पूरा सेट खामोश हो जाता था। हर टेक के बाद लोग तालियां बजाते थे। उन्हें अभिनय करते देखना अपने आप में एक शानदार अनुभव था।'' कनिका ने अपनी डेब्यू फिल्म 'बटवारा 1947' की शूटिंग से जुड़ी एक भावुक याद भी साझा की।

ऑस्कर 2027 के लिए भारत की एंट्री प्रक्रिया शुरू, फेडरेशन ऑफ इंडिया ने निर्माताओं से मांगी फिल्में

भारत की ओर से 99वें एकेडमी अवॉर्ड्स यानी 'ऑस्कर 2027' के लिए आधिकारिक फिल्म चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) ने देश के निर्माताओं से अपनी फिल्मों को चयन प्रक्रिया में शामिल करने के लिए आवेदन मांगे हैं। फेडरेशन की कार्यकारी समिति ने मंगलवार को हुई प्रबंध समिति की बैठक में फिल्मों की एंट्री के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया।

फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया देश के प्रमुख फिल्म संगठनों की शीर्ष संस्था है और भारत की ओर से ऑस्कर के लिए फिल्म चुनने की प्रक्रिया में इसकी अहम भूमिका रहती है। एफएफआई के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने कहा, ''फेडरेशन निर्माताओं को पूरी प्रक्रिया में हरसंभव मदद देगा। हमारी कोशिश रहेगी कि नामांकन प्रक्रिया आसान, लोकतांत्रिक और पारदर्शी हो। हम ज्यादा से ज्यादा फिल्मों का स्वागत करते हैं, ताकि इस साल भारत की ऑस्कर एंट्री के लिए मजबूत दावेदारी सामने आ सके।'' फिल्मों के आवेदन जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और निर्माता अपनी एंट्री 7 सितंबर 2026 को शाम 6 बजे तक जमा कर सकते हैं।

आवेदन मिलने के बाद फिल्मों की स्क्रीनिंग और चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। एफएफआई की ओर से एक ज्यूरी चेयरमैन नियुक्त किया जाएगा। इसके साथ ही रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ और योग्य लोगों को ज्यूरी में शामिल किया जाएगा। सभी फिल्मों की स्क्रीनिंग पूरी होने के बाद ज्यूरी मतदान के जरिए भारत की आधिकारिक ऑस्कर एंट्री का फैसला करेगी। भारत की ओर से ऑस्कर के लिए चुनी जाने वाली फिल्म की घोषणा 19 सितंबर को होगी। इस पर फिल्म इंडस्ट्री की नजर रहेगी, क्योंकि हर साल अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों से कई फिल्में इस चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेती हैं। चुनी गई फिल्म अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगी और ऑस्कर की आगे की दौड़ में शामिल होगी।

इंसानों के चेहरे पढ़ लेते हैं कुत्ते! डर, गुस्से और उदासी में भी कर सकते हैं फर्क , आखिर कैसे, यहां पढ़ें

इंसानों के सबसे वफादार दोस्त माने जाते हैं कुत्ते। हाल के एक नए वैज्ञानिक अध्ययन से संकेत मिले हैं कि ये सच्चे दोस्त हाव-भाव पढ़ने में भी माहिर होते हैं। इतना ही नहीं ये इंसानों के चेहरे पर छिपी भावनाओं को हमारी अपेक्षा से कहीं बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यहां तक कि उनका दिमाग डर, गुस्से और उदासी जैसे नकारात्मक भावों में भी अंतर महसूस कर सकता है। ऑस्ट्रिया की 'यूनिवर्सिटी ऑफ विएना' के शोधकर्ताओं ने पालतू कुत्तों के दिमाग की गतिविधियों का एमआरआई स्कैन के जरिए अध्ययन किया। शोध में शामिल कुत्तों को इस तरह प्रशिक्षित किया गया था कि वे जागते हुए और बिना बांधे एमआरआई स्कैनर में शांत होकर लेटे रह सकें।

टाइगर श्रॉफ के साथ अपकमिंग एक्शन फिल्म के सेट से पश्मीना रोशन ने शेयर की झलकियां

पश्मीना रोशन इन दिनों टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनके शूटिंग रूटीन की झलक देखने को मिली। इन तस्वीरों ने फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। शेयर की गई तस्वीरों में पश्मीना शूट के बीच अपनी वैनिटी वैन में नजर आ रही हैं। मेकअप रूम के कुछ कैंडिड मोमेंट्स के साथ उन्होंने अपनी स्क्रिप्ट की एक तस्वीर भी शेयर की है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह अपने किरदार और फिल्म की तैयारी में पूरी तरह जुटी हुई हैं। अपनी पोस्ट के साथ पश्मीना ने लिखा है, फिल्म के सेट पर बिताए दिनों से बेहतर कुछ नहीं, लेकिन इस बार का सफर कुछ ज्यादा ही खास है। फ़िलहाल पश्मीना ने फिल्म या अपने किरदार से जुड़ी कोई जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उनकी इस बात से साफ है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है। इसी के साथ टाइगर श्रॉफ और पश्मीना रोशन की फ्रेश जोड़ी को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है। अपने जबरदस्त एक्शन और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले टाइगर के साथ पश्मीना की यह जोड़ी दर्शकों के बीच खासा उत्साह पैदा कर रही है। फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा कर रहे हैं। एक्शन से भरपूर इस प्रोजेक्ट के साथ पश्मीना एक नए जॉनर में कदम रख रही हैं। ऐसे में फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ने के साथ सेट से सामने आ रही इन झलकियों ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। पश्मीना रोशन ने सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में फिल्म के सेट पर बिताए अपने पलों की झलक दिखाई है। तस्वीरों में वह शूटिंग के बीच अपनी वैनिटी वैन में नजर आ रही हैं। इसके अलावा मेकअप रूम के कुछ कैंडिड मोमेंट्स भी देखने को मिलते हैं। अभिनेत्री ने अपनी स्क्रिप्ट की एक तस्वीर भी साझा की है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह अपने किरदार की तैयारी को लेकर काफी गंभीर हैं। इन तस्वीरों के साथ पश्मीना ने अपने शूटिंग अनुभव को लेकर लिखा कि फिल्म के सेट पर बिताए दिनों से बेहतर कुछ नहीं होता, लेकिन इस बार का सफर उनके लिए कुछ ज्यादा ही खास है। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक फिल्म के टाइटल या अपने किरदार से जुड़ी कोई खास जानकारी साझा नहीं की है। इसके बावजूद उनकी पोस्ट से साफ है कि वह इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। टाइगर श्रॉफ और पश्मीना रोशन की फ्रेश जोड़ी को लेकर भी फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों के बीच चर्चा बनी हुई है। टाइगर श्रॉफ अपनी जबरदस्त एक्शन शैली और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाते हैं। वहीं, पश्मीना इस फिल्म के जरिए एक्शन जॉनर में एक नए अंदाज में नजर आने वाली हैं। ऐसे में दोनों की जोड़ी को पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा कर रहे हैं। प्रोजेक्ट को एक्शन से भरपूर बताया जा रहा है और इसमें टाइगर श्रॉफ के साथ पश्मीना रोशन भी महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म के बारे में फिलहाल मेकर्स की ओर से ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें लगातार दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा रही हैं। पश्मीना के लिए यह प्रोजेक्ट इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि वह एक्शन जॉनर में कदम रख रही हैं। इससे पहले वह अलग तरह के किरदारों के जरिए दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर चुकी हैं। अब टाइगर जैसे एक्शन स्टार के साथ काम करते हुए उन्हें एक नए अवतार में देखने की उम्मीद की जा रही है। सेट से सामने आई तस्वीरों में अभिनेत्री की स्क्रिप्ट पर तैयारी, शूटिंग के बीच के पल और वैनिटी वैन की झलक देखने को मिली है। हालांकि फिल्म की कहानी और पश्मीना के किरदार को फिलहाल पूरी तरह से गुप्त रखा गया है। ऐसे में फिल्म से जुड़ी हर नई तस्वीर और जानकारी फैंस की उत्सुकता बढ़ा रही है। फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ने के साथ अब दर्शकों की नजर इसके आधिकारिक ऐलान, फर्स्ट लुक और अन्य अपडेट पर है। टाइगर श्रॉफ की एक्शन इमेज, पश्मीना की नई भूमिका और रेमो डिसूजा के निर्देशन का मेल इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले से ही खास उम्मीदें जगा रहा है। पश्मीना ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म के सेट पर बिताए दिनों की कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में वह शूटिंग के बीच अपनी वैनिटी वैन में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में उनके मेकअप रूम के कैंडिड मोमेंट्स दिखाई देते हैं, जबकि एक तस्वीर में उनकी स्क्रिप्ट भी नजर आ रही है। इससे यह संकेत मिलता है कि अभिनेत्री अपने किरदार की तैयारी और शूटिंग को लेकर पूरी तरह फोकस्ड हैं। पश्मीना की पोस्ट में सबसे ज्यादा ध्यान उनकी स्क्रिप्ट की तस्वीर ने खींचा।

जब सारा अली खान ने पंखे पर फेंक दी फेविकोल की बोतल, सस्पेंड होने की आ गई थी नौबत

बॉलीवुड में आने के बाद सारा अली खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ मजाकिया अंदाज के लिए भी पहचानी जाती हैं। वह अक्सर इंटरव्यू में जिंदगी की छोटी-छोटी बातें बिना किसी हिचक के साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने स्कूल के दिनों का ऐसा किस्सा शेयर किया था, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया था कि एक बार स्कूल में उन्होंने पंखे पर फेविकोल फेंक दी थी और बात इतनी बढ़ गई कि स्कूल से सस्पेंड किए जाने की नौबत आ गई थी। सारा अली खान का जन्म 12 अगस्त 1995 को मुंबई में हुआ। वह अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री अमृता सिंह की बेटी हैं। उनका परिवार फिल्मों से जुड़ा रहा है। उन्होंने मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की और बाद में अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में इतिहास और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की। एक इंटरव्यू में उन्होंने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा था कि वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन साथ ही काफी शरारती भी थीं। इसी इंटरव्यू में उन्होंने फेविकोल वाले किस्से का भी खुलासा किया। सारा ने बताया कि उन्हें जियोग्राफी की क्लास में ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी। उसी दौरान उन्होंने गोंद की एक बोतल पंखे की तरफ फेंक दी। बोतल टूट गई और फेविकोल पंखे और उसके आसपास फैल गया। मामला इतना आगे बढ़ा कि सस्पेंड होने की नौबत आ गई थी।

स्कूलों में लड़कियों को पीरियड्स और वेल-बीइंग के अलावा फाइनेंस हैंडल करना भी सिखाया जाए

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने नईदिल्ली में आयोजित वी विमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026 में फाइनेंशियल शिक्षा को स्कूली स्तर पर शुरू करने की बात की है। उन्होंने अपनी जिंदगी का अनुभव साझा करते हुए ये भी बताया कि उन्होंने न सिर्फ 17 साल की उम्र में ही कमाना शुरू कर दिया था, बल्कि अपने परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली थी। कृति ने कहा, मैं हमेशा से एक लड़की और एक महिला के तौर पर आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है। फाइनेंशियल आजादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है।

विशेष रूप से स्कूलों में फाइनेंशियल शिक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए कृति ने यह भी कहा, जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि पैसे कैसे कमाने हैं, बचाने हैं, इन्वेस्ट करना है और फाइनेंस कैसे काम करता है। मुझे लगता है कि यह शिक्षा स्कूल से ही मिलनी चाहिए। इसके अलावा मैं समझती हूँ कि फाइनेंशियल प्लान्स को भी समय के साथ बदलते रहना चाहिए। लोग म्यूचुअल फंड और एसआईपी की बात करते हैं और मैं भी इनके पक्ष में हूं, लेकिन आपको लगातार खुद को और अपनी रणनीति को विकसित करते रहना होगा। अगर करियर के फैसले हमेशा के लिए नहीं होते, तो हमारे फाइनेंशियल प्लान्स अलग क्यों होने चाहिए? है ना। कृति खरबंदा ने कार्यक्रम में कहा कि वह हमेशा से लड़कियों और महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हैं।

सार समाचार

यूक्रेन पर रूसी मिसाइल हमलों में 6 लोगों की मौत, जेलेंस्की ने की कड़े प्रतिबंधों की मांग

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि रूस जानबूझकर नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने की अधिकतम कोशिश कर रहा है। सोमवार रात रूस के मिसाइल हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''जापोरिज्जिया में रूसी हमले के बाद से रात भर राहत और बचाव कार्य जारी हैं। शहर पर उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलों, 'जिरकॉन' मिसाइलों और ग्लाइड बमों से हमला किया गया। यह एक बेहद गंभीर हमला था, जिसे नागरिक ढांचे को अधिकतम नुकसान पहुंचाने के इरादे से अंजाम दिया गया।'' जेलेंस्की ने बताया कि इस हमले में शहर में छह लोगों की मौत हुई है और 19 लोग घायल हुए हैं। मैं पीड़ित परिवारों और उनके करीबियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। बचावकर्मी अभी हमले वाली एक जगह पर लगी आग बुझाने में जुटे हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि कीव में मिसाइल हमले से एक संक्रामक रोग अस्पताल की इमारत और एक औद्योगिक इकाई को नुकसान पहुंचा है। वहीं, अग्रिम मोर्चे के करीब रहने वाले समुदायों पर ड्रोन हमलों का सिलसिला रोज जारी है। उन्होंने बताया कि खेरसोन और खार्किव में रात के दौरान बिजली सब-स्टेशनों पर हमले हुए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सभी संबंधित सेवाएं परिवारों तक दोबारा बिजली पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। इसके अलावा डोनेट्स्क, द्नीप्रोपेत्रोव्स्क और मिकोलाइव क्षेत्रों पर भी हमले किए गए। उन्होंने कहा कि दुनिया को इसका जवाब अभी देना होगा, इंतजार नहीं करना चाहिए।

कोलंबिया भूकंप : मरने वालों की संख्या बढ़कर 188 पहुंची, 1677 घायल

बोगोटा। पश्चिमी कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 188 हो गई है, जबकि 1,677 लोग घायल हुए हैं। कुल मृतकों में से 95 लोगों की मौत और 997 लोगों के घायल होने की रिपोर्ट काली शहर से आई है, जबकि पेरेइरा में 79 लोगों की मौत और 278 लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। यह जानकारी कोलंबियाई राजधानी शहरों के संघ (एसोकापिटेल्स) ने दी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला ने पहले बताया था कि भूकंप से 1,575 घरों को नुकसान पहुंचा है। साथ ही छह हवाई अड्डों का बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हुआ है, जिसके चलते वहां वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं फिलहाल रोक दी गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने सोमवार को राष्ट्रीय आपदा की घोषणा कर दी थी।

इजरायल ने किया था मौत का दावा, अब सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने बढ़ा ली अपनी शक्ति

इजराइली मीडिया ने ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की हालत गंभीर होने और अस्पताल में भर्ती होने का दावा किया था। यहां तक कहा था कि उनकी जल्द मौत हो सकती है। अब ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने बड़ा ऐलान किया है और देश की मिलिट्री लीडरशिप में बड़े बदलाव का आदेश दिया है। इसके तहत इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC), रेगुलर आर्म्ड फोर्सेज और बासिज मिलिशिया में अहम पदों पर छह सीनियर कमांडरों को नियुक्त किया गया है। ईरान में हुई सबसे अहम नियुक्तियों में, मेजर जनरल अहमद वाहिदी को ईरान के सबसे ताकतवर मिलिट्री और सिक्योरिटी संगठन, IRGC का कमांडर-इन-चीफ बनाया गया है। वाहिदी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के अनुभवी सदस्य हैं और पहले IRGC की विदेशी ऑपरेशन्स शाखा, कुद्स फोर्स की कमान संभाल चुके हैं। उनका यह प्रमोशन इसलिए भी बहुत अहम है क्योंकि ईरान की युद्ध के समय की सुरक्षा और रणनीतिक फैसलों में उनका असर बढ़ रहा है। मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही को ईरान की आर्म्ड फोर्सेज का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है। अब्दुल्लाही पहले खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रमुख थे; यह वह कमांड स्ट्रक्चर है जो IRGC और रेगुलर आर्मी समेत ईरान की मिलिट्री शाखाओं के बीच ऑपरेशन्स में तालमेल बिठाने का काम करता है। ईरान की सैन्य शक्ति में यह फेरबदल केवल कर्मचारियों का सामान्य बदलाव नहीं है। IRGC पहले ही ईरान के रणनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में एक प्रभावशाली ताकत के रूप में उभरा है।

पाकिस्तान ने वर्ल्ड बैंक को दिया धोखा! बलूचिस्तान के लिए आवंटित राशि का किया दुरुपयोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने विश्व बैंक की ओर से बलूचिस्तान के बाढ़ पीड़ितों के लिए आवंटित राशि को किसी और मद में खर्च कर डाला है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को बलूचिस्तान में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए चलाए जा रहे बहु-अरब रुपए के आवास कार्यक्रम से धन हटाकर उसे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लगाने के फैसले पर नाराजगी जाहिर की है। विश्व बैंक की ओर से संघीय और बलूचिस्तान सरकारों को भेजे गए विस्तृत पत्र में कहा गया है कि इन परिवारों के लिए समस्या केवल घर बनाने के लिए सहायता नहीं मिलना नहीं है, बल्कि उनकी पहले से मौजूद आर्थिक और सामाजिक कमजोरियां एक-दूसरे को और मजबूत कर सकती हैं और समय के साथ स्थिति और खराब हो सकती है। बैंक के अनुसार, कार्यक्रम के पात्र लाभार्थियों में 84 प्रतिशत अत्यंत गरीब और कमजोर वर्ग से हैं। इनमें 28 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 30 डॉलर से कम है, जबकि 26 प्रतिशत की आय 31 से 70 डॉलर के बीच है। करीब 39 प्रतिशत परिवार किरायेदार हैं, 37 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर और 8 प्रतिशत छोटे किसान हैं। पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, विश्व बैंक ने कहा कि इन परिवारों के पास आम तौर पर बचत बेहद सीमित होती है, औपचारिक ऋण तक पहुंच कमजोर होती है और उनके पास ऐसे उत्पादक संसाधन भी कम होते हैं, जिनका इस्तेमाल आर्थिक संकट के दौरान किया जा सके। विश्व बैंक की कंट्री डायरेक्टर बोलोरमा अमगाबाजार ने संघीय योजना और आर्थिक मामलों के सचिवों तथा बलूचिस्तान के सचिव को लिखे पत्र में कहा कि 22 जून 2026 तक आवास सहायता को 62,966 प्रथम चरण के लाभार्थियों तक सीमित कर दिया गया, जबकि सब्सिडी सहायता 97,000 परिवारों तक सीमित की गई। इस फैसले के बाद 1,19,049 सत्यापित और पात्र परिवारों के लिए वित्तीय सहायता का कोई स्पष्ट स्रोत नहीं बचा है। विश्व बैंक ने यह भी कहा कि फैसले को बैंक के साथ संयुक्त संचार रणनीति को अंतिम रूप दिए जाने से पहले सार्वजनिक कर दिया गया।

होर्मुज स्ट्रेट संकट पर ईरान-जर्मनी की चर्चा, अराघची ने अमेरिका को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। क्षेत्रीय हालात और होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर अब्बास अराघची और जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने ईरान ने अमेरिका-इजरायल की सैन्य कार्रवाई को तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कूटनीतिक प्रयास जारी रखने पर जोर दिया। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने आपसी रिश्तों के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय हालात पर भी चर्चा की। अराघची ने वाडेफुल को ओमान के साथ चल रही बातचीत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन बैठकों का मकसद होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही के लिए एक सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करना है। आईआरएनए के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग में पैदा हुई असुरक्षा की स्थिति पूरी तरह अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई का नतीजा है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से पैदा होने वाले सुरक्षा और आर्थिक प्रभावों के लिए अमेरिकी प्रशासन को जवाबदेह ठहराया जाए। आईआरएनए के अनुसार, अराघची ने कहा कि इस जलमार्ग में सुरक्षा बहाल करने के लिए अमेरिका की आक्रामक कार्रवाइयों और गैरकानूनी दखलअंदाजी को समाप्त करना जरूरी है। इसमें समुद्री नाकाबंदी और इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन के तहत अमेरिका की प्रतिबद्धताओं के अन्य कथित उल्लंघन भी शामिल हैं। इससे पहले अराघची ये साफ कर चुके हैं कि इस समय हमारी अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया खुलासा, हां, मेरी जान को खतरा था, इसी वजह से तुर्की में मेरा विमान बदला गया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को बड़ा खुलासा किया और पुष्टि की कि तुर्की में हाल ही में हुए एक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के दौरान 'खतरे' की वजह से उन्होंने एयर फ़ोर्स वन के बजाय दूसरे विमान का इस्तेमाल किया था।

उन्होंने कहा कि वह वही करते हैं जिसकी सलाह उन्हें सीक्रेट सर्विस और सेना देती है। ट्रंप ने ये खुलासा तब किया है, जब एक दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कतर से मिले बोइंग 747-8 विमान को छोड़कर पुराने एयर फ़ोर्स वन का इस्तेमाल किया और फिर चुपके से एक छोटे C-32A विमान में चले गए। बता दें कि पिछले महीने खबर आई थी कि ट्रंप को ईरान से मिल रही धमकी और खतरे की वजह से ट्रंप को कतर से मिले जेट की जगह पुराने बोइंग विमान का इस्तेमाल करना पड़ा था।

हालांकि, वॉशिंगटन पोस्ट ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर विमान बदला था, उन्हें पुराने एयर फ़ोर्स वन से चुपके से एक कैटरिंग कंटेनर में निकालकर छोटे C-32A विमान में ले जाया गया था। प्रकाशित रिपोर्ट में विमान बदलने के बारे में व्हाइट हाउस या ट्रंप की तरफ़ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि हां, मेरा विमान बदला गया था। ओहायो से लौटने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "मैं सीक्रेट सर्विस और सेना की बात मानता हूं।

वे चाहते थे कि मैं किसी दूसरी फ़्लाइट या दूसरे विमान से जाऊं... मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं... मुझे लगता है कि कोई खतरा था। मैंने इसके बारे में ज़्यादा कुछ नहीं पूछा। मुझे अक्सर धमकियां मिलती रहती हैं।" ट्रंप ने आगे कहा कि मुझे कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है जिनके बारे में जनता को पता नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी "अहम राष्ट्रपति को कई खतरों का सामना करना पड़ता है। जो राष्ट्रपति बहुत अहम नहीं होते, उन्हें धमकियां नहीं मिलतीं, और मुझे लगता है कि शायद मैं सबसे अहम राष्ट्रपति हूं।"

बराक ओबामा लेकर आ रहे हैं नया पॉडकास्ट, बताएंगे किन छह किताबों ने बदल डाली उनकी सोच

वॉशिंगटन। किताबों को यूं ही इंसानों का सच्चा दोस्त नहीं कहा जाता। जिंदगी जहां अटकती है, भटकाव आता है वहां ये संभालने का पूरा प्रयास करती हैं। ऐसा शायद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी सोचते हैं। तभी तो अब राजनीति से इतर अपने एक और पसंदीदा शगल के जरिए लोगों से जुड़ने का मन बना चुके हैं। ओबामा एक नया पॉडकास्ट शुरू करने वाले हैं, जिसमें वे उन किताबों पर चर्चा करेंगे जिन्होंने उनके सोचने के तरीके, उनके विश्वास और दुनिया को देखने के नजरिए को प्रभावित किया। 'अ ग्रेट बुक विद ओबामा' नाम का यह छह एपिसोड वाला पॉडकास्ट 24 सितंबर से ऑडिबल पर उपलब्ध होगा। इसे ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा की प्रोडक्शन कंपनी हायर ग्राउंड और ऑडिबल मिलकर तैयार कर रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने एक तस्वीर के साथ ये जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की। इस सीरीज में ओबामा छह ऐसी चर्चित किताबों को चुनकर उनके बारे में विस्तार से बात करेंगे, जो उनके जीवन और विचारों पर गहरा असर डाल चुकी हैं। इनमें टोनी मॉरिसन की 'सॉन्ग ऑफ सोलोमन', जेम्स बाल्डविन की 'द फायर नेक्स्ट टाइम', जॉन ले कैरे की 'टिंकर टेलर सोल्जर स्पाई', कॉर्मैक मैकार्थी की ' ऑल द प्रिटी हॉर्सेस', मर्लिन रॉबिन्सन की 'गिलियड' और रॉबर्ट पेन वॉरेन की 'ऑल द किंग्स मैन' शामिल हैं। हर एपिसोड में ओबामा एक किताब को केंद्र में रखकर एक अतिथि के साथ बातचीत करेंगे। हालांकि, मेहमानों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। राष्ट्रपति पद पर रहने के दौरान भी उनकी पढ़ने की आदत और किताबों की पसंद अक्सर चर्चा में रही।

तुर्की में एयर फोर्स वन से फूड ट्रक में छिपकर निकले ट्रंप, सैन्य विमान से पहुंचे थे ब्रिटेन: रिपोर्ट

न्यूयॉर्क। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की से ब्रिटेन की यात्रा गुपचुप ढंग से एक सैन्य विमान में सवार होकर की थी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा कारणों के चलते ऐसा किया गया था। दरअसल, सार्वजनिक रूप से डोनाल्ड ट्रंप एयर फोर्स वन में सवार हुए थे, लेकिन ब्रिटेन तक की यात्रा उन्होंने एक सैन्य विमान में की थी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तुर्की में एयर फोर्स वन पर सवार होने के बाद गुपचुप ढंग से एक फूड ट्रक में छिपाकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया, क्योंकि उनके आधिकारिक विमान के खिलाफ 'विश्वसनीय सुरक्षा खतरे' होने की जानकारी मिली थी। द वॉशिंगटन पोस्ट की सोमवार की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने अंकारा में मीडिया की मौजूदगी के बीच ट्रंप सार्वजनिक रूप से एयर फोर्स वन पर चढ़े। इसके बाद वह और उनके कुछ प्रमुख सहयोगी एक कैटरिंग ट्रक में सवार हो गए, जो कि विमान के दरवाजे पास ही था। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, ट्रंप को उस फूड ट्रक से एक कार में ले जाया गया। यह ट्रक विमान के निचले हिस्से से जुड़ा हुआ था। वहां से उन्हें एक छोटे सी-32ए सैन्य जेट में पहुंचाया गया। दोनों अखबारों ने नाम न बताने वाले अधिकारियों के हवाले से बताया कि ट्रंप और उनके कुछ करीबी सहयोगी ब्रिटेन के मिल्डेनहॉल वायुसेना अड्डे तक इसी सैन्य विमान से गए। वहां उन्होंने यात्रा के अगले हिस्से के लिए कतर की ओर से उपहार में दिए गए विमान में सवार होकर अमेरिका के लिए उड़ान भरी। इस बीच, एयर फोर्स वन में मौजूद अन्य अधिकारी और पत्रकार पुराने विमान से ब्रिटेन पहुंचे और बाद की यात्रा में ट्रंप के साथ शामिल हुए। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि ट्रंप विमान बदल चुके थे। विमान में मौजूद पत्रकारों ने बताया कि उड़ान के दौरान उनसे खिड़कियों के पर्दे बंद रखने को कहा गया था। व्हाइट हाउस ने इन रिपोर्टों की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया। हालांकि, व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने संकेत दिया कि राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान सुरक्षा संबंधी चुनौतियां थीं, जिनसे निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। उन्होंने कहा, "जैसा कि राष्ट्रपति हाल में कह चुके हैं, अमेरिका के कई दुश्मन उन्हें निशाना बनाना चाहते हैं और हम उन खतरों से निपटने के लिए अपने पास मौजूद हर संसाधन का इस्तेमाल करते हैं।" 8 जुलाई को अंकारा में हुए नाटो शिखर सम्मेलन से वापसी के दौरान भी इसी तरह की एक और घटना हुई थी। ट्रंप अक्सर उसकी शानदार और लग्जरी सुविधाओं की तारीफ करते रहे हैं।

बलूचों ने आज मनाया स्वतंत्रता दिवस, शहर-शहर आयोजित किए गए कार्यक्रम

पाकिस्तान में बलूचों ने खुली बगावत कर दी है।

बलूचों ने बलूचिस्तान को आजाद मुल्क घोषित कर दिया और दुनिया के तमाम देशों से अपील की है कि अब बलूचिस्तान को पाकिस्तान का हिस्सा न माना जाए। रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान को आजाद मुल्क की नजर से देखा जाए। आज बलूचिस्तान के 6 करोड़ लोगों ने अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया। पूरे बलूचिस्तान में झंडे फहराए गए और आजादी के तराने बजाए गए।

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने कहा कि पाकिस्तानी फौज ने बलूचिस्तान के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में खलल डालने के लिए साजिशें रचीं। पूरे बलूचिस्तान में फोर्सेज की तैनाती की, रैलियां और जलसे कराने पर रोक लगा दी, मोबाइल इंटरनेट सेवा ठप कर दी।

इसके बाद भी फौज बलूचों को रोक नहीं पाईं। बलूचों ने तोपों और बंदूकों के साये में आजादी का जश्न मनाया।

क्वे तब से लेकर अब तक 79 सालों से 11 अगस्त को बलूचिस्तान के लोग स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं, लेकिन 1947 के बाद साल भर के अंदर बलूचिस्तान इलाके पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। टा, नोश्की, कलात, ग्वादर, तुरबत, खुजदार जैसे तमाम शहरों में सुबह-सुबह स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए गए। इस दौरान बलोच नेशनल एंथेम गाया गया, मिठाइयां बंटी, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए और पाकिस्तानी फौज कुछ नहीं कर पाई। बलूच लीडर्स ने एलान किया है कि अब 14 अगस्त को बलूचिस्तान में कोई पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाएगा।

सीरिया में बड़ा फैसला... पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को मौत की सजा, भाई माहेर भी दोषी

सीरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके भाई माहेर अल-असद को मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों के मामले में मौत की सजा सुनाई है। दोनों को यह सजा उनकी गैरमौजूदगी में सुनाई गई। अदालत ने कहा कि उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कानूनी माध्यमों से कार्रवाई और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। बशर अल-असद और माहेर दिसंबर 2024 में विद्रोही बलों के तेज हमले के बाद सीरिया से भागकर मॉस्को चले गए थे। महज 11 दिनों में हुए इस अभियान के बाद असद का लंबे समय से चला आ रहा शासन समाप्त हो गया था।

अदालत के अनुसार, बशर अल-असद को एक से अधिक लोगों और बच्चों की पूर्व नियोजित एवं जानबूझकर हत्या, यातना, मनमानी गिरफ्तारी और मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी पाया गया।

उनके भाई माहेर उस समय सेना की कुख्यात चौथी डिवीजन के कमांडर थे और उन्हें असद शासन का प्रमुख सुरक्षा अधिकारी माना जाता था। 2011 में सीरिया में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद असद सरकार ने आंदोलन को दबाने के लिए व्यापक सैन्य और सुरक्षा कार्रवाई की।

सरकार पर प्रदर्शनकारियों और आम नागरिकों की बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी, यातना और हत्या के आरोप लगे। करीब 14 साल चले गृहयुद्ध में लगभग पांच लाख लोगों की जान गई। अदालत ने असद के चचेरे भाई और दारा प्रांत में राजनीतिक सुरक्षा विभाग के पूर्व प्रमुख आतेफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई। नजीब पर 2011 में 15 बच्चों को यातना देने का आरोप था।

खेल समाचार

मिचेल मार्श ने रचा कीर्तिमान, द हंड्रेड में 400 रन का आंकड़ा छूने वाले बने पहले विदेशी खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया के T20 कप्तान मिशेल मार्श का बल्ला इन दिनों जमकर बोल रहा है। द हंड्रेड 2026 में उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है।

सनराइजर्स लीड्स के लिए खेल रहे मार्श ने 11 अगस्त को मैनचेस्टर सुपर जाइंट्सके खिलाफ 23 गेंदों में 32 रन की पारी खेली और इसी के साथ टूर्नामेंट में 400 रन का आंकड़ा पार कर लिया। इसके साथ ही वह द हंड्रेड के इतिहास में एक सीजन में 400 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए इस मुकाबले में मार्श ने अपनी छोटी लेकिन तेजतर्रार पारी के दौरान पांच चौके और एक छक्का लगाया। उनकी इस पारी ने द हंड्रेड 2026 में उनके रनों की संख्या 406 तक पहुंचा दी। खास बात यह है कि मार्श इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी हैं। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ इंग्लैंड के जेम्स विंस हैं। विंस ने 2024 में साउदर्न ब्रेव के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 424 रन बनाए थे। अब मार्श 406 रन के साथ इस खास सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। फिल साल्ट-353 रन (2022) मार्श ने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी पारी में नूर अहमद की गेंद पर छक्का भी जड़ा। यह छक्का उनके लिए एक और रिकॉर्ड लेकर आया। मार्श ने 2026 में T20 क्रिकेट में अपने छक्कों की संख्या 94 कर ली है।

सिंकफील्ड कप: आर. प्रज्ञानंदा ने सेवियन के खिलाफ आसान ड्रॉ के साथ अभियान शुरू किया

सेंट लुइस। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंदा ने ग्रैंड चेस टूर के आखिरी से पहले इवेंट के शुरुआती राउंड में अपने अमेरिकी साथी सैमुअल सेवियन के खिलाफ आसान ड्रॉ के साथ अपने सिंकफील्ड कप कैंपेन की शुरुआत की।

काले मोहरों से खेलते हुए, आर. प्रज्ञानंदा ने रुई लोपेज के आर्कान्जेस्क वेरिएशन ने काफी शांत मुकाबला किया। मुकाबले के दौरान भारतीय खिलाड़ी ज्यादा बेहतर और तैयारी लगे। खिलाड़ियों ने जल्दी ही मोहरों की अदला-बदली शुरू कर दी, और 11वीं चाल में ही रूक की एक जोड़ी बोर्ड से हट गई। आगे की अदला-बदली के बाद क्वीन-और-माइनर-मोहरे का एंडगेम हुआ जिसमें दोनों खिलाड़ियों के पास दो-दो घोड़े थे, जिससे दोनों में से किसी के भी जीतने का कोई खास मौका नहीं बचा। एक बार जब क्वींस ट्रेड हो गईं, तो नतीजा लगभग तय हो गया और गेम आखिरकार 48 चालों के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ, हालांकि खिलाड़ी पहले पॉइंट बांटने पर सहमत हो सकते थे। टॉप सीड फैबियानो कारुआना 10 खिलाड़ियों वाले, नौ राउंड के टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में जीत दर्ज करने वाले अकेले खिलाड़ी थे। अमेरिकी खिलाड़ी ने नीदरलैंड्स के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को हराकर शुरुआती बढ़त हासिल की। कारुआना ने एक बार फिर दिखाया कि वह इस सीजन में ग्रैंड चेस टूर के सबसे अच्छे खिलाड़ी क्यों रहे हैं। उन्होंने शुरू में बराबरी की स्थिति से वैन फॉरेस्ट को हराया।

अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट : क्रिकेट बादशाह अकादमी डेराबस्सी की 64 रनों से शानदार जीत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ ट्राई सिटी क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित प्रथम स्वर्गीय जसविंदर सिंह गिन्नी मेमोरियल (अंडर-16 लड़के और लड़कियां) क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को क्रिकेट बादशाह अकादमी, डेराबस्सी ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने अपने लीग मैच में रवि वर्मा क्रिकेट अकादमी, चंडीगढ़ को 64 रनों से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। टूर्नामेंट के लीग मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी क्रिकेट बादशाह अकादमी, डेराबस्सी की टीम ने 29.4 ओवरों में 182 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। प्रमुख बल्लेबाजः टीम के लिए दिलराज ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 53 रन बनाए। उनके अलावा रिहान ने 30 रन और गुरनूर सिंह ने 27 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। विरोधी गेंदबाजीः रवि वर्मा क्रिकेट अकादमी, चंडीगढ़ की ओर से मोहकम बराड़ और हरकीरत सिंह ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट झटके, जबकि अक्की ने 2 सफलताएं हासिल कीं। बल्लेबाजी का प्रदर्शनः टीम की ओर से अक्की ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। इसके अलावा रियांश ठाकुर ने 22, सूर्य प्रताप ने 21 और मोहकम बराड़ ने 18 रन बनाए।

फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से की शादी, 10 साल की डेटिंग के बाद रचाई कोर्ट मैरिज

पुर्तगाल। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी लंबे समय से साथी रही गर्लफ्रेंड और स्पैनिश मॉडल जॉर्जिना रोड्रिग्ज से शादी रचा ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों ने मंगलवार को एक निजी समारोह में सिविल मैरिज (कोर्ट मैरिज) की। शादी के बाद रोनाल्डो और जॉर्जिना ने सोशल मीडिया पर अपनी अंगूठियां दिखाते हुए तस्वीरें साझा की हैं। 2016 से थे साथः रोनाल्डो और जॉर्जिना की पहली मुलाकात साल 2016 में मैड्रिड में हुई थी। वर्ष 2017 की शुरुआत में ज्यूरिख में आयोजित फीफा फुटबॉल अवार्ड्स के दौरान दोनों ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि की थी। 12 अगस्त 2025 को सगाईः ठीक एक साल पहले, 12 अगस्त 2025 को दोनों ने सगाई की थी। परिवार और बच्चेः रोनाल्डो कुल 5 बच्चों के पिता हैं। इनमें से चार बच्चे जॉर्जिना के साथ हैं—एवा मारिया और मातेओ (2017 में सरोगेसी से जन्म), अलाना मार्टिना (2017 में जन्म) और बेला एस्मेरालडा (2022 में जन्म)। रोनाल्डो के सबसे बड़े बेटे क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर का जन्म 2010 में हुआ था। रोनाल्डो ने हाल ही में आयोजित फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल टीम का प्रतिनिधित्व किया था, जो उनका अंतिम विश्व कप साबित हुआ।

27 मैच, 11 गोलः राउंड ऑफ 16 में स्पेन से 1-0 की हार के साथ ही पुर्तगाल का सफर समाप्त हो गया था। रोनाल्डो ने अपने करियर में रिकॉर्ड 27 विश्व कप मुकाबले खेले और कुल 11 गोल दागे।

900 गोल का रिकॉर्डः क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पेशेवर फुटबॉल इतिहास में 900 से अधिक आधिकारिक गोल दर्ज करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी दर्ज है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉर्जिना रोड्रिग्ज की शादी लंबे समय से सुर्खियों में रही उनकी प्रेम कहानी का नया अध्याय है। दोनों करीब एक दशक से साथ हैं और आखिरकार 11 अगस्त 2026 को पुर्तगाल में एक निजी सिविल समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, समारोह बेहद निजी रखा गया, जिसमें परिवार के करीबी सदस्य और उनके बच्चे शामिल हुए। शादी के बाद रोनाल्डो और जॉर्जिना ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की अंगूठियों की तस्वीर साझा कर फैंस के साथ यह खुशखबरी साझा की। तस्वीर के साथ दोनों ने अपने रिश्ते के इस खास पड़ाव को लेकर भावनाएं भी जाहिर कीं। इस खबर के सामने आते ही दुनियाभर से फैंस और फुटबॉल जगत से उन्हें बधाइयां मिलने लगीं। रोनाल्डो और जॉर्जिना की पहली मुलाकात 2016 में मैड्रिड में हुई थी। उस समय जॉर्जिना एक लग्जरी स्टोर में काम करती थीं। मुलाकात के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और कुछ समय बाद उनका रिश्ता सार्वजनिक हो गया। 2017 की शुरुआत में दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार किया था। इसके बाद दोनों लगातार एक-दूसरे के साथ नजर आते रहे। फुटबॉल मैदान पर रोनाल्डो की उपलब्धियों के साथ-साथ जॉर्जिना भी उनके व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहीं। दोनों ने कई मौकों पर सोशल मीडिया के जरिए अपने परिवार और निजी जिंदगी की झलकियां फैंस के साथ साझा की हैं। करीब नौ साल तक साथ रहने के बाद जॉर्जिना ने 11 अगस्त 2025 को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी सगाई की घोषणा की थी। इसके बाद से ही दोनों की शादी को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही थीं।

टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद के समय को हमेशा याद रखूंगा: टी. दिलीप

नई दिल्ली। भारत के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने बारबाडोस में भारत की 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीत के बाद के समय टीम इंडिया के साथ गुजारे अपने 5 साल की अवधि का सबसे यादगार लम्हा बताया है। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम के अंदर की भावनाओं ने खिताब से पहले के सफर का बोझ दिखा दिया। टी. दिलीप ने जियोस्टार पर कहा, "अगर मैं अपने सबसे अच्छे पल पर वापस जाऊं, तो मुझे लगता है बारबाडोस 2024, सिर्फ ट्रॉफी ही नहीं, बल्कि उसके बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल, कुछ सेकंड के लिए शांति। मुझे लगता है कि उस शांति में, मैं महसूस कर सकता था कि लड़कों ने उन चार सालों में कितनी मेहनत की है। मैं उस फ्रेम को हमेशा अपने दिमाग में रखूंगा।" ब्रिजटाउन में खेले गए फाइनल में सूर्यकुमार यादव का कैच भारतीय जीत की खिताबी जीत के सबसे यादगार लम्हों में से एक था। सूर्यकुमार यादव ने आखिरी ओवर में डेविड मिलर का बेहतरीन और यादगार कैच पकड़कर देश को खिताब दिलाने में कभी भी न भूलने वाली भूमिका निभाई थी।

सूर्यकुमार यादव के कैच को याद करते हुए दिलीप ने बताया कि खुशी के बावजूद मैं तब यह पता करने की कोशिश कर रहा था कि कैच कानूनी तौर पर पूरा हुआ था या नहीं।

दिलीप ने सूर्यकुमार यादव के कैच के बारे में कहा, "शुरू में कुछ सेकंड के लिए, मैं चुप था और शारीरिक रूप से शांत था क्योंकि मेरा दिमाग बहुत सारा गुणा-गणित कर रहा था। मैं सोच रहा था कि सूर्या ने वह बॉल क्लीन ली थी, क्या उसके पैर बाउंड्री रोप के अंदर थे, क्या उसने गेंद को समय पर बाहर मारा था। तो, मेरा दिमाग सारे कैलकुलेशन कर रहा था। लेकिन एक बार जब यह कन्फर्म हो गया कि यह एक क्लीन कैच था, तो भावनाओं का सैलाब आ गया। लेकिन मेरे मन में यह भी था कि मैच अभी पूरा नहीं हुआ है। खेल के हिसाब से सूर्या का यह एक असाधारण कैच था।"

टी. दिलीप नवंबर 2021 में भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण कोच बने थे। हाल ही में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ है। उन्होंने सूर्यकुमार के कैच को खेल की दृष्टि से असाधारण बताया।

उनके मुताबिक, यह सिर्फ एक शानदार कैच नहीं था, बल्कि ऐसे समय पर आया था जब मैच बेहद नाजुक स्थिति में पहुंच चुका था।

फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था।

हुबली में क्रिकेटर अभिषेक पोरेल गिरफ्तार, शादी का झांसा देकर रेप का आरोप

हुबली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को मंगलवार सुबह हुबली में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शादी का झांसा देकर रेप के आरोप से जुड़े मामले में हुई है।

23 जून को कर्नाटक में मेडिकल की पढ़ाई कर रही एक युवती ने मोगरा पुलिस स्टेशन में अभिषेक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रिकेटर पीड़िता के साथ साढ़े तीन साल से ज्यादा समय से रिलेशनशिप में था। आरोप है कि दोनों ने शादी करने का प्लान बनाया और साथ में विदेश यात्रा भी की थी, लेकिन बाद में रिश्ते में दरार आने लगी। करीब डेढ़ साल पहले दोनों के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया था कि पुलिस को मामले में दखल देना पड़ा, हालांकि उस समय कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी।

कुछ समय बाद पीड़िता ने मोगरा पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए हुगली ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कुंवर भूषण सिंह उसी दिन मोगरा पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां डीएसपी (क्राइम) अभिजीत सिन्हा महापात्रा ने मोगरा के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज (आईसी) से बातचीत की और आगे की कार्रवाई के लिए जरूरी निर्देश दिए।

इसके बाद मोगरा पुलिस ने जांच शुरू की और चंदननगर स्थित क्रिकेटर के घर कई बार गई, हालांकि उन्हें अभिषेक पोरेल नहीं मिले।

कुछ समय बीतने के बाद पीड़िता कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंची, जहां हाईकोर्ट ने पुलिस को अभिषेक पोरेल की गिरफ्तार का आदेश दिया। इसके बाद मोगरा पुलिस ने अभिषेक पोरेल को गिरफ्तार कर लिया। अभिषेक मंगलवार को चिनसुराह कोर्ट में पेश होंगे। अभिषेक पोरेल ने साल 2023 से अब तक दिल्ली कैपिटल्स के लिए कुल 35 मैच खेले हैं, जिसमें 25.63 की औसत के साथ 769 रन बनाए। इस दौरान 4 अर्धशतकीय पारियां भी खेलीं। इसके अलावा अभिषेक 32 फर्स्ट क्लास मैच और 23 लिस्ट-ए मुकाबले खेल चुके हैं।

फीफा अध्यक्ष पद से जियानी इन्फेंटिनो को हटाना बड़ी गलती होगी: डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर फुटबॉल की वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो के खिलाफ उठ रहे विरोध के स्वर के बीच उन्हें पद से हटाती है, तो यह एक बड़ी गलती होगी। ट्रंप ने लिखा, "फीफा बहुत बड़ी गलती करेगा, अगर वे किसी भी वजह से अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को बदलने के बारे में सोचते भी हैं। वह शानदार हैं, उन्होंने अभी तक के सबसे सफल वर्ल्ड कप की अध्यक्षता चार बार की है। अगर वह चले गए, तो यह फिर कभी इतना सफल या फायदेमंद नहीं होगा।" ट्रंप का दखल ऐसे समय में हुआ है जब इन्फेंटिनो को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यूईएफए, एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) और कोनकाकाफ ने सोमवार को फीफा अध्यक्ष पर नया हमला किया। उन पर 'धोखे' से भरोसा तोड़ने और वर्ल्ड कप के कमर्शियल राइट्स में हिस्सेदारी बेचने के उनके विवादित प्रस्ताव के बाद खुद को सब से ऊपर रखने का आरोप लगाया। कन्फेडरेशन ने सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, "फुटबॉल की ताकत हमेशा से उसकी एकता रही है। हम अब उस एकता का सम्मान करने की मांग करते हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी के लिए शुरू की जोरदार तैयारी, सिर्फ डिफेंस पर कर रहे हैं फोकस

टीम इंडिया के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में खेलते हुए नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें ईस्ट जोन टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड दौरे पर इंटरनेशनल डेब्यू करने के बाद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और अब घरेलू क्रिकेट में नई जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं। दिलीप ट्रॉफी 2026-27 में वैभव अपनी बल्लेबाजी से छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि रेड बॉल क्रिकेट में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है। दलीप ट्रॉफी के लिए वैभव ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अभ्यास का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह नेट्स पर बल्लेबाजी करते नजर आए। युवा बल्लेबाज नेट प्रैक्टिस में गेंद को डिफेंस करने पर ध्यान दे रहे हैं। इसके साथ उन्होंने अटैकिंग शॉट पर भी काम किया। इस वीडियो को शेयर करते हुए वैभव ने कैप्शन में लिखा Preparation. वैभव का पूरा ध्यान आने वाली चुनौती के लिए खुद को तैयार करने पर है। अपने व्हाइट बॉल डेब्यू के बाद वैभव अब रेड बॉल क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। वैभव इससे पहले जिम्बाब्वे सीरीज में खेलते हुए नजर आए थे।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में राजवंश पब्लिक स्कूल की सान्वी ने जीता रजत पदक

जयपुर। 5वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2026 में राजवंश पब्लिक स्कूल की नन्हीं खिलाड़ी सान्वी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के 1st Pee-Wee Official वर्ग के 16 किलोग्राम भार वर्ग में सान्वी ने अपनी खेल प्रतिभा, आत्मविश्वास और अनुशासन का प्रभावी प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान सान्वी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबलों में हिस्सा लिया और अपनी मेहनत व खेल कौशल से सभी को प्रभावित किया। रजत पदक जीतने पर विद्यालय परिवार और सान्वी के अभिभावकों में खुशी का माहौल है। सान्वी के प्रदर्शन पर कोच नितिन जोलिया ने कहा कि प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने सान्वी सहित सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह मेहनत जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। सान्वी की उपलब्धि पर राजवंश पब्लिक स्कूल की निदेशक सीता चौहान, सचिव अनिमेष चौहान तथा उनके माता-पिता खुशबू एवं राहुल महावर ने उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने सान्वी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य नवल जैन ने भी सान्वी की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सभी का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और चुनौतियों का सामना करने की भावना विकसित होती है। सान्वी के रजत पदक जीतने पर राजवंश पब्लिक स्कूल परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार ने सान्वी को उसकी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उसके खेल जीवन में निरंतर सफलता की कामना की।

लंबे समय तक बैठने से होने वाली समस्याओं में कारगर है ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन, जानिए इसके फायदे

लंबे समय तक बैठे रहने, कंधा जकड़े रहने और पैरों में खिंचाव आम हो गया है। ऐसे में योग सिर्फ शरीर को मोड़ने का नाम नहीं है, बल्कि खुद से जुड़ने का एक जरिया है। ऐसे ही योग पद्धति में ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन सबसे शरीर की जकड़न खोलने, पाचन तंत्र को बेहतर बनाने समेत कई शारीरिक स्वास्थ संबंधित समस्याओं का समाधान है। ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन तीन शब्दों से मिलकर बना है, ऊर्ध्व मुख का अर्थ है ऊपर की तरफ चेहरा, पश्चिम का अर्थ होता है शरीर का पिछला हिस्सा, उत्तान का अर्थ होता है, गहरा खिंचाव और आसन की अर्थ मुद्रा। इस आसन को अंग्रेजी में अपवर्ड फेसिंग इंटेंस वेस्ट स्ट्रेच कहते हैं। इस आसन में आप उभय पादांगुष्ठासन की तरह पैर के अंगूठों को पकड़कर बैलेंस बनाते हैं और साथ ही धड़ को आगे की तरफ पैरों की ओर झुकाते हैं।

यह आसन अष्टांग योग की प्राथमिक श्रृंखला में आता है और उभय पादांगुष्ठासन के बाद का अगला लेवल माना जाता है। योग परंपरा में ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन एक उन्नत आसन है, जो पश्चिमोत्तानासन और संतुलन का मिला-जुला रूप है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर प्रतिक्रिया दी।

उनके अनुसार, ऊर्ध्व मुख पश्चिमोत्तानासन एक उन्नत योगासन है, जिसमें शरीर का संतुलन कूल्हों (सिट बोन्स) पर रखा जाता है और दोनों पैरों को ऊपर आकाश की ओर सीधा खींचकर हाथों से पंजों को पकड़ा जाता है। यह अभ्यास कोर शक्ति, रीढ़ के लचीलेपन और संतुलन को सुधारता है। यह एक ऐसा योग आसन है जिसमें बैठकर पैर सीधे रखते हुए आगे झुकते हैं और अंगूठे पकड़कर रीढ़ और पैरों के पिछले हिस्से को गहराई से स्ट्रेच करते हैं।

जोड़ों के दर्द से राहत दिलाएगा घुटना संचालन, आयुष मंत्रालय से जानिए सही विधि

घुटना संचालन योग के उन व्यायामों में से एक है जिसे अभ्यास की शुरुआत में किया जाता है। यह अभ्यास विशेष रूप से घुटनों और कूल्हों के जोड़ों को मजबूत बनाने में सहायक होता है। आजकल की जीवनशैली में घंटों बैठकर काम करना, शारीरिक गतिविधि की कमी और उम्र के साथ जोड़ों में जकड़न की समस्या आम हो गई है। ऐसे में घुटना संचालन शरीर को अंदर से गर्म करता है, रक्त संचार को बेहतर बनाता है और मांसपेशियों को अगले योगाभ्यास के लिए तैयार करता है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर घुटना संचालन योग करने की पूरी विधि बताई। इस अभ्यास को करने के लिए सबसे पहले किसी शांत और हवादार स्थान पर चटाई बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों के बीच लगभग एक फुट की दूरी रखें और रीढ़ को सीधा रखें। अब अभ्यास शुरू करें। श्वास लेते हुए दोनों भुजाओं को धीरे-धीरे कंधों के स्तर तक ऊपर उठाएं और ध्यान रखें कि हथेलियां नीचे की ओर रहें। भुजाएं कंधे की सीध में और जमीन के समानांतर होनी चाहिए। इसके बाद श्वास छोड़ते हुए घुटनों को धीरे-धीरे मोड़ें और शरीर को आधे बैठे हुए स्थिति में लाएं। इस स्थिति में ऐसा महसूस होना चाहिए जैसे आप किसी कुर्सी पर बैठने जा रहे हैं। पीठ सीधी रखें, पेट अंदर और कंधे ढीले रखें। अंतिम स्थिति में पहुंचकर कुछ सेकंड रुकें। इस अवस्था में दोनों भुजाएं और दोनों घुटने जमीन के समानांतर रहने चाहिए। दृष्टि सामने और शरीर संतुलित रखें। अब श्वास लेते हुए धीरे-धीरे शरीर को वापस सीधा करें और साथ ही भुजाओं को भी नीचे ले आएं। इस पूरी प्रक्रिया को एक चक्र माना जाता है। शुरुआत में इसे दो बार दोहराएं। धीरे-धीरे अपनी क्षमता के अनुसार आप इसे 3 से 5 बार तक बढ़ा सकते हैं। अभ्यास पूरा होने के बाद सामान्य स्थिति में वापस आकर कुछ देर विश्राम करें।

बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की वजह सिर्फ बच्चे नहीं, नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

आज के समय में बच्चों को स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखना माता-पिता के लिए आसान नहीं है। पढ़ाई, मनोरंजन से लेकर कभी-कभी बच्चे को शांत कराने तक, मोबाइल, टीवी या टैबलेट परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। इस बीच फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) की एक नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एफआईयू के सेंटर फॉर चिल्ड्रन एंड फैमिलीज की इस रिसर्च में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों की देखभाल करने वाले 822 लोगों को शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने यह समझने की कोशिश की कि माता-पिता का तनाव बच्चों के स्क्रीन इस्तेमाल से किस तरह जुड़ा हुआ है। स्टडी के नतीजे फैमिली रिलेशन्स जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। रिसर्च में सामने आया कि जिन माता-पिता में भावनात्मक तनाव ज्यादा था, वे बच्चों के स्क्रीन टाइम पर लगातार नियम लागू करने में अपेक्षाकृत कम सक्षम थे। वहीं, जिन माता-पिता को बच्चे के व्यवहार से ज्यादा परेशानी या दबाव महसूस होता था, वे मुश्किल परिस्थितियों में बच्चे को शांत कराने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा ज्यादा लेते थे। स्टडी की प्रमुख लेखिका और एफआईयू की मनोविज्ञान की डॉक्टरेट छात्रा एनिड मोरेरा के मुताबिक, रिसर्च में सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि बच्चों के मीडिया इस्तेमाल से जुड़े फैसलों पर माता-पिता का अपना तनाव भी असर डालता है।

इसलिए बच्चों के साथ-साथ माता-पिता को भी सहयोग देना जरूरी है। शोधकर्ताओं का कहना है कि हर परिवार से सिर्फ यह कहना कि बच्चे का स्क्रीन टाइम कम कर दीजिए, हमेशा व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता। कई बार माता-पिता के लिए स्क्रीन किसी मुश्किल पल को संभालने का एक आसान जरिया होती है। ऐसे में सवाल यह होना चाहिए कि बच्चा स्क्रीन पर क्या देख रहा है और उसका असर कैसा है। रिसर्चर्स का सुझाव है कि माता-पिता बच्चों की उम्र के हिसाब से ऐसा कंटेंट चुनें, जो उन्हें कुछ सिखाए, उनकी रुचि बढ़ाए और उनके विकास में मदद करे। साथ ही यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि स्क्रीन की वजह से बच्चे की नींद, खेलकूद, परिवार के साथ समय या पढ़ाई प्रभावित न हो। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स भी परिवारों को सिर्फ स्क्रीन के मिनट गिनने के बजाय कंटेंट की गुणवत्ता, रोजमर्रा की दिनचर्या और बच्चे के स्वस्थ विकास पर ध्यान देने की सलाह देती है।

बिना लक्षणों के चुपके से पनप रही हैं युवाओं में ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारी, डॉक्टर ने दी चेतावनी

भारत में साइलेंट डिजीज काफी तेजी से पनप रही हैं। इसमें हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज एक बड़ी महामारी का रूप ले रही हैं। ये लाइफस्टाइल डिजीज है जिनसे अचानक से कोई बड़ी परेशानी नहीं होती, लेकिन लंबे समय में ये शरीर को अंदर से खोखला बना देती हैं। ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को लेकर सबसे ज्यादा चिंता की बात ये है कि बड़ी संख्या में लोगों को इनका पता ही नहीं होता कि उन्हें ऐसी कोई बीमारी है। जबकि डॉक्टर योगेश छाबड़ा (नेफ्रोलॉजी यूनिट के प्रमुख और निदेशक, फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग) के अनुसार भारत में लगभग 10 में से 8 लोग उच्च रक्तचाप, डायबिटीज या प्रीडायबिटिक हैं। कई लोग इससे अनजान रहते हैं कि उन्हें कोई बीमारी है क्योंकि इनके लक्षण काफी सामान्य होते हैं और हमेशा दिखाई नहीं देते। ये बीमारियां धीरे-धीरे शरीर में पैदा होती हैं और इंसान के रोज के कामकाज और दिनचर्या पर तुरंत असर नहीं डालती हैं। इसलिए इनकी नियमित जांच कराना महत्वपूर्ण हो जाता है। खासकर उन लोगों के लिए जो अपनी उम्र, फेमिली हिस्ट्री, वजन या लाइफस्टाइल के कारण सबसे ज्यादा खतरे में हो सकते हैं। हाई बीपी और हाई शुगर दोनों की लाइफस्टाइल डिजीज हैं। जो लोग व्यायाम कम करते हैं, अनहेल्दी खान-पान की आदतें हैं, वजन ज्यादा है, लंबे समय तक तनाव में रहते हैं और भरपूर नींद नहीं लेते हैं उन्हें इसका खतरा ज्यादा होता है। अगर आप धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं तो जोखिम कई गुना और बढ़ जाता है। लक्षण नजर न आने की वजह से हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज का बिना टेस्ट के पता लगाना मुश्किल होता है। भले ही शुरुआत में आपको स्वास्थ्य में कोई बदलाव न दिखे, लेकिन ये बीमारियां बाद में शरीर के महत्वपूर्ण अंगों और ब्लड वेसल्स को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। इससे हार्ट, किडनी, दिमाग और आंखों पर असर पड़ता है। अगर इन दोनों बीमारियों का इलाज न किया जाए तो इससे दिल का दौरा, स्ट्रोक, किडनी की बीमारी और नजर कमजोर हो सकती है। चिंता की बात ये है कि युवा वयस्कों तक अब ये बीमारी फैल रही है। जिसका बड़ा कारण आधुनिक वर्कलाइफ और लाइफस्टाइल को माना जा रहा है। समस्या और भी चिंताजनक हो जाती है क्योंकि जब तक कोई साफ लक्षण दिखाई नहीं देते, तब तक इन बीमारियों का पता नहीं चल पाता। इसलिए नियमित जांच कराना जरूरी है।

डॉक्टर शुभम वत्स ने बताए 5 ऐसे फूड्स जो आपके दिमाग को रॉकेट की तरह कर सकता है तेज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ध्यान केंद्रित रखना, याददाश्त मजबूत करना और मानसिक थकावट से बचना एक बड़ी चुनौती बन गया है। हम अक्सर शारीरिक सेहत पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन मानसिक सेहत और दिमाग की पोषण संबंधी जरूरतों को भूल जाते हैं।

मशहूर डॉक्टर शुभम वत्स के मुताबिक यदि आप अपनी डाइट में सही खान-पान रखें, तो आप अपने माइंग को रॉकेट की तरह शार्प कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं डॉक्टर शुभम वत्स से कौन से 5 फूड्स के बारे में बताया है जो दिमाग को तेज करने में फायदेमंद है। अखरोट की बनावट खुद इंसानी दिमाग जैसी होती है और यह दिमाग के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें प्रचुर मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन-E पाया जाता है। रोजाना 2-3 भिगोए हुए अखरोट खाने से याददाश्त तेज होती है और दिमागी तनाव कम होता है।

अंडे में प्रोटीन के साथ साथ कोलिन भी होता है जो एसिटाइन कोलिन के प्रोडक्शन के लिए जरूरी होता है। ये मेमोरी को तेज करता है और ओवरऑल लर्निंग को कंट्रोल करता है। फैटी फिश ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे ईपीए और डीएचए से भरपूर होते हैं। डीएचए ब्रेन का मेन सेल्स कॉम्पोनेंट है जो न्यूरॉन्स को फ्लेक्सिबल और फास्ट बनाता है। कद्दू के बीजों में जिंक, मैग्नीशियम, कॉपर और आयरन का खजाना होता है। जिंक नसों के संकेतों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जबकि मैग्नीशियम याददाश्त और सीखने की क्षमता को मजबूत करता है। दिन में एक चम्मच भुने हुए कद्दू के बीज दिमागी थकान को दूर रखते हैं।

कैंसर के 5 सच जो बहुत कम लोग जानते हैं, जाने माने कैंसर सर्जन और सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट ने बताए

कैंसर खतरनाक बीमारी है जो पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ने वाली जानलेवा बीमारी बन रहा है। भारत में हर साल कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं।

हालांकि समय पर इलाज और जांच से मौत का आंकड़ा कम हो रहा है। इसलिए कैंसर के लक्षणों और जांच को लेकर आपको सतर्क रहने की जरूरत है। अलग-अलग कैंसर की जांच भी अलग होती हैं। ऐसे में डॉक्टर्स का कहना है कि दर्द होने या लक्षण आने का इंतजार न करें। समय-समय पर कैंसर की स्क्रीनिंग कराते रहें, जिससे कैंसर का शुरुआती स्टेज में ही पता लगाया जा सके। रायपुर के जाने माने कैंसर सर्जन और सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉक्टर जयेश शर्मा ने लोगों के बीच फैले कैंसर से जुड़े 5 सच बताए हैं जिन्हें बहुत कम लोग ही जानते हैं। दर्द होने का इंतजार नहीं करना है। लोगों को लगता है कि शरीर में दर्द आमतौर पर चोट लगने या बाहरी हमले के समय होता है। कैंसर कुछ ऐसी कोशिकाओं से बनता है जो थोड़ी बड़ी हो जाती हैं। लेकिन हमें दर्द होने का इंतजार नहीं करना है। करीब आधे कैंसर पर हमारा थोड़ा कंट्रोल है लेकिन आधा कैंसर पर हमारा बिल्कुल भी नियंत्रण नहीं है। इसलिए लाइफस्टाइल में बदलाव करके हम कुछ तरह के कैंसर को काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं। लेकिन इसमें भी उम्र, वातावरण, आनुवंशिकता और लक शामिल है। अगर किसी को कैंसर है, उसने ही कुछ किया होगा ऐसा हमें नहीं सोचना है। अच्छी बात ये है कि 80-90% कैंसर का अगर पहली या दूसरी स्टेज में पता चल जाए और इलाज शुरू कर दिया जाए तो उन्हें जड़ से खत्म किया जा सकता है।

मेथी का ज़्यादा सेवन इन लोगों के लिए हो सकता है खतरनाक

खाना बनाने में मेथी के बीज का इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाता है। ये पोषक तत्व से भरपूर होते हैं इसलिए इन्हें गुणों की खान कहते हैं।

खाना के आलावा यह मसाला आपकी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। लेकिन जरूरत से ज्यादा कोई भी चीज का इस्तेमाल सेहत के लिए नुकसानदेह होता है।

इसलिए मेथी के बीज का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। जानिए मेथी के ज्यादा सेवन से किस तरह का नुकसान हो सकता है।

शुगर लेवल कम करेः शुगर के मरीजों को मेथी खाने की सलाह दी जाती है लेकिन क्या आप जानते हैं मेथी का ज्यादा सेवन भी डायबिटीज के मरीजों के लिए खतरनाक है। दरअसल, इसके ज्यादा सेवन से ब्लड शुगर काफी नीचे जा सकता है जो शुगर के मरीजों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है।

हाई ब्लड प्रेशरः मेथी की पत्तियों में सोडियम की मात्रा कम होती है। लो सोडियम हाई ब्लड प्रेशर की वजह बन सकता है। हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत होने पर मेथी के पत्तों के सेवन से बचना चाहिए।

सांस की बीमारीः अगर आपको सांस लेने में तकलीफ होती है तो मेथी का सेवन आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। मेथी की तासीर गर्म होती हैं ऐसे में ये सांस से जुड़ी परेशानियों की वजह बन जाता है।

हार्ट पेशेंट्स के लिए साबूदाना का सेवन फायदेमंद है या नुकसानदायक?

साबूदाना व्रत के दौरान खाए जाने वाले लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में से एक है। सावन के महीने में व्रत रखने वालों की संख्या बढ़ने के साथ इसकी मांग भी बढ़ जाती है। साबूदाने से खिचड़ी, खीर, वड़ा और टिक्की जैसी कई चीजें बनाई जाती हैं लेकिन क्या साबूदाना का सेवन हार्ट के मरीज भी कर सकते हैं?

साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक और एमबीबीएस, एमडी डॉ. बिमल छाजेर ने अपने यूट्यूब वीडियो में बताया कि साबूदाना में कौन से पोषक तत्व पाए? साबूदाना एक स्टार्च होता है जो वैसे तो आसानी से पच जाता है लेकिन इसमें बहुत ज्यादा पोषक तत्व नहीं पाए जाते हैं। इसमें, प्रोटीन, फाइबर और विटामिन और मिनिरल्स भी नहीं होता है और न ही फैट होता है। इसमें कैलोरी की मात्रा और कार्बोहाइड्रेटड बहुत ज्यादा होता है। हालांकि, इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ता है। लेकिन इसका सेवन करने से क्विक एनर्जी मिलती है।

अगर आप साबूदाना खाना ही चाहते हैं तो आप इसे हेल्दी बनाकर भी ले सकते हैं। आप इसमें फाइबर और प्रोटीन से भरपूर सब्जियां डाल सकते हैं। गाजर, शिमला मिर्च और दाल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे इसके पोषक तत्व बढ़ जाते हैं।

डायबिटीज मरीजों को खाना खाने के बाद क्यों करनी चाहिए दस मिनट की वॉक?

खाना खाने के बाद लोग सोफे पर लेट जाते हैं या ऑफिस की कुर्सी पर बैठकर आराम करते हैं। लेकिन अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो ऐसा करना आपके ब्लड शुगर को बढ़ा सकता है।

हैदराबाद के अपोलो हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट सुधीर कुमार कहते हैं, खाना खाने के बाद लंबे समय तक बैठे रहना या लेटना मेटाबॉलिक हेल्थ के लिए सही नहीं है। डॉक्टर सुधीर कुमार ने 8 अगस्त को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर बताया कि खाना खाने के बाद महज 10 मिनट की वॉक भी ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद कर सकती है। खाने के बाद थोड़ी देर टहलने से शरीर ग्लूकोज का बेहतर इस्तेमाल कर पाता है, जिससे भोजन के बाद ब्लड शुगर में होने वाली बढ़ोतरी को कम करने में मदद मिल सकती है। अगर आपको डायबिटीज है, तो खाना खाने के बाद बस 10-15 मिनट की वॉक से खाने के बाद ब्लड ग्लूकोज में होने वाली बढ़ोतरी को कम किया जा सकता है। समय के साथ, ग्लूकोज के स्तर में होने वाली इन अचानक बढ़ोतरी को नियमित रूप से कम करने से ग्लूकोज पर बेहतर नियंत्रण मिल सकता है। सिकुड़ती हुई मांसपेशियां ब्लडस्ट्रीम से ग्लूकोज लेती हैं, जो कुछ हद तक इंसुलिन से स्वतंत्र होता है।

महिलाओं को जरूर खाना चाहिए कच्चा पपीता, इन बीमारियों में करता है फायदा

पका और पीला पपीता खाने में जितना टेस्टी लगता है उससे कहीं ज्यादा स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। आप पका और कच्चा दोनों तरह का पपीता खा सकते हैं। शरीर में होने वाली कई बीमारियों में पपीता फायदेमंद होता है।

पका पपीता फल के रूप में खाया जाता है जबकि कच्चे पपीता को आप सब्जी के रूप में खा सकते हैं। पपीता में ऐसे पोष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो पेट से जुड़ी परेशानियों को दूर करते हैं। पपीता विटामिन, एंजाइम और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है। कच्चा पपीता खाने से शरीर को विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी और मैग्नीशियम, पॉटैशियम जैसे मिनरल मिलते हैं। महिलाओं के लिए कच्चा पपीता काफी फायदेमंद माना गया है। जानिए कच्चा पपीता खाने के फायदे और महिलाओं को क्यों डाइट में कच्चा पपीता शामिल करना चाहिए। कच्चा पपीता खाने के कई तरीके हैं। वैसे सबसे आसान तरीका है कि आप पपीता की सब्जी बनाकर खाएं। कच्चे पपीता की सब्जी कद्दू की तरह बनती है।

आप चाहें तो इसके कोफ्ते भी बना सकते हैं। पपीता की सब्जी को चावल और दाल के साथ खा सकते हैं। इसके अलावा आप इसे उबालकर भी खा सकते हैं। पपीता और आलू को मिलाकर सब्जी भी बना सकते हैं। कच्चा पपीता खाने से महिलाओं को पीरियड्स के दर्द में आराम मिलता है। पपीता खाने से ऑक्सीटोसिन और प्रोस्टाग्लैंडीन का लेवल हाई होता है जो दर्द को कम करता है।

कच्चा पपीता डायबिटीज के मरीज के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। कच्चे पपीता की सब्जी या फिर जूस पीने से शरीर में इन्सुलिन की मात्रा ठीक बनी रहती है।

जो लोग डाइट में कच्चा पपीता शामिल करते हैं उन्हें भरपूर फाइबर मिलता है। कच्चा पपीता खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है और पाचन क्रिया मजबूत होती है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है।

विटामिन सी, विटामिन ए और विटामिन बी से भरपूर कच्चा पपीता खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। पपीता में कई मिनरल पाए जाते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और सर्दी-जुखाम की समस्या दूर रहती है।

बच्चो को दूध पिलाने वाली महिलाओं को डाइट में कच्चा पपीता जरूर शामिल करना चाहिए। इससे दूध बढ़ाने में मदद मिलती है और शरीर को कई फायदे मिलते हैं। कच्चे पपीते को पारंपरिक रूप से स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए दूध बढ़ाने वाला खाद्य पदार्थ माना जाता है। हालांकि, इस दावे के वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं। इसलिए इसे दूध बढ़ाने के निश्चित उपाय के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। स्तनपान के दौरान पर्याप्त पानी, संतुलित आहार और पर्याप्त कैलोरी लेना ज्यादा महत्वपूर्ण है। अगर दूध की मात्रा को लेकर परेशानी हो रही है, तो डॉक्टर या लैक्टेशन एक्सपर्ट से सलाह लेना बेहतर है।

तेलंगाना में दर्दनाक सड़क हादसा, टैंकर की टक्कर से ऑटो में सवार 5 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सतवार के पास एक टैंकर ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई और 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि ऑटो रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि ऑटो में कुल 12 लोग सवार थे और सभी कर्नाटक के बीदर जिले के खेतिहर मजदूर थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को अस्पताल में बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उनके इलाज में किसी तरह की लापरवाही न हो। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय ऑटो-रिक्शा में 12 लोग सवार थे, जिसमें अधिकतर महिलाएं थीं। मृतकों की पहचान कर्नाटक के बीदर जिले के राजगेरा गाँव के निवासियों के तौर पर हुई है। मृतकों के नाम रेखा, श्रीदेवी, कविता, रेशमा, निकिता और ऑटो ड्राइवर देवदास हैं।

जैसलमेर में 25 बच्चों से भरी स्कूल बस में लगी आग, ड्राइवर ने सभी स्टूडेंट्स को बचाया

जैसलमेर के धउवा गांव के पास SM पब्लिक स्कूल की बस में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई बस में करीब 25 बच्चे सवार थे, जिन्हें ड्राइवर ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। नगरपरिषद की दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हादसे में किसी बच्चे के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्कूल बस जलकर पूरी तरह कबाड़ हो गई। जैसलमेर में मंगलवार सुबह 6:30 बजे चलती स्कूल बस में अचानक भीषण आग लग गई। बस में करीब 25 बच्चे सवार थे। इंजन से धुआं उठते ही ड्राइवर ने तुरंत बस रोककर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद आग ने पूरी बस को चपेट में ले लिया। हादसा धऊवा गांव के पास हुआ। बस जैसलमेर से ग्रामीण इलाकों में और बच्चों को लेने जा रही थी तभी उसमें आग लग गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आग बुझने तक बस का अधिकांश हिस्सा जलकर खाक हो चुका था। गनीमत रही कि किसी बच्चे या स्टाफ को चोट नहीं आई। हालांकि बच्चों के स्कूल बैग, किताबें और बस में रखा अन्य सामान जल गया। जानकारी के अनुसार, बस पिथला गांव से बच्चों को लेकर शहर से करीब 12 किमी दूर डाबला रोड स्थित एसएम पब्लिक स्कूल जा रही थी। धऊवा के पास पहुंचते ही इंजन वाले हिस्से से अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग की लपटें निकलने लगीं। ड्राइवर ने बिना देर किए बस को सड़क किनारे रोक दिया। गेट खोलकर एक-एक कर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। स्थानीय ग्रामीणों ने भी मौके पर पहुंचकर मदद की। बच्चों को बस से दूर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। वहीं, दो दिन पहले राजस्थान के उदयपुर से भी एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। यहां बदमाशों ने पहले कार में तोड़फोड़ की, फिर महिला सामने आई तो स्कॉर्पियो से कुचलकर भाग गए, पूरी घटना CCTV में कैद हुई है। घटना के बाद अभिभावकों में भी चिंता का माहौल है और वे स्कूल बसों की नियमित जांच तथा सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना की मांग कर रहे हैं।

दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय, UP-MP, गुजरात सहित कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, बुधवार, 12 अगस्त को भारत के कई हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सक्रिय रहेगा और कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

पूर्वी राजस्थान में सबसे तेज़ बारिश होने की उम्मीद है, और यहाँ कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश भी हो सकती है। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

मौसम विभाग ने यह अनुमान पिछले 24 घंटों में कई इलाकों में हुई व्यापक बारिश के बाद जताया है, जिसमें पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में हुई भारी बारिश भी शामिल है।

दिल्ली उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित उत्तर भारत और मध्य भारत में 15 अगस्त तक मॉनसून सक्रिय रहेगा। पहाड़ी राज्यों में भी 17 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले एक हफ्ते तक बारिश का दौर जारी रहेगा।

हिमाचल में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा, सरकार ने तेल पर लगाया 'अनाथ एवं विधवा सेस', जानिए अब नई कीमतें

हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो गई है। 11 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि से पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल 60 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने अनाथ बच्चों और विधवाओं के कल्याणकारी कार्यों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से 'अनाथ एवं विधवा सेस' (उपकर) लागू किया है। सरकार के इस फैसले के बाद राजधानी शिमला में पेट्रोल की कीमत 102.45 रुपये से बढ़कर 103.05 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसी तरह हाई-स्पीड डीजल पर भी 60 पैसे प्रति लीटर का अतिरिक्त उपकर लगाया गया है। राज्य कर एवं आबकारी विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, यह सेस हिमाचल प्रदेश मूल्य वर्धित कर (VAT) अधिनियम, 2005 की धारा 6-ए के तहत लगाया जाएगा। पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की पहली बिक्री (Point of First Sale) पर यह उपकर वसूला जाएगा। सरकार का कहना है कि इस सेस (उपकर) से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल राज्य में अनाथ बच्चों और विधवाओं के कल्याण एवं सहायता से जुड़े कार्यों के लिए किया जाएगा। फैसले के लागू होने के बाद प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। ईंधन उपकर हिमाचल प्रदेश विधानसभा द्वारा इस साल के बजट सत्र के दौरान पारित हिमाचल प्रदेश मूल्य वर्धित कर (संशोधन) विधेयक, 2026 के बाद लागू किया गया है, जिसने राज्य सरकार को पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर तक का विधवा और अनाथ उपकर लगाने का अधिकार दिया है।

तब सदन में बोलते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने कहा था, 'इस उपकर की अधिकतम सीमा 5 रुपये है , अब चाहे हम 10 पैसे लगाएं या 2 रुपये , यह हमारे विवेक पर निर्भर है।' इस पर विपक्ष की ओर से कड़ी आलोचना हुई थी। विपक्ष एवं बीजेपी के नेता जय राम ठाकुर ने कहा था कि विधवाओं और अनाथों के नाम पर राजस्व उत्पन्न करना अनुचित है।

इस फैसले का बचाव करते हुए और विपक्ष को जवाब देते हुए सुक्खू ने कहा था कि सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'अगर हम विधवाओं और अनाथ बच्चों के कल्याण के लिए कदम उठा रहे हैं, तो विपक्ष को विरोध करने के बजाय इसका समर्थन करना चाहिए।'

सरकार के इस निर्णय के बाद अब राज्य में ईंधन की कीमतों पर इसका सीधा असर दिखाई देने लगा है। हालांकि प्रति लीटर साठ पैसे की बढ़ोतरी को तत्काल तौर पर मामूली माना जा रहा है, लेकिन लगातार बढ़ती महंगाई के बीच इसका असर आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

विशेष रूप से निजी वाहनों का नियमित इस्तेमाल करने वाले लोगों तथा माल ढुलाई और यात्री परिवहन से जुड़े कारोबारियों पर इसका अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। राज्य सरकार का तर्क है कि इस उपकर के माध्यम से प्राप्त होने वाली राशि को किसी सामान्य राजस्व मद में शामिल करने के बजाय अनाथ बच्चों और विधवाओं के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च किया जाएगा।

वंदे मातरम बिल को राष्ट्रपति की मिली मंजूरी, फिर देश में क्यों मचा है घमासान?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वंदे मातरम बिल पर आज साइन कर दिए। अब देश के हर नागरिक को राष्ट्रगीत वंदे मातरम का उसी तरह सम्मान करना होगा, जैसे राष्ट्रगान जन-गण-मन का करना होता है। सभी सरकारी कार्यक्रमों में जन-गण-मन के साथ-साथ वंदे मारतम का भी गायन होगा। इस बार स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से भी वंदे मातरम गाया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी की स्पीच से पहले वंदे मातरम के पूरे 6 स्टेंजा गाए जाएंगे। सरकार का कहना है कि यह फैसला इसलिए भी अहम है, क्योंकि इसी साल वंदे मातरम गीत के 150 साल पूरे हो रहे हैं, इसलिए स्वतंत्रता दिवस का थीम भी वंदे मातरम ही रखा गया है। लाल किले पर जब पहली बार वंदे मातरम गाया जाएगा, उस समय इंडियन एयरफोर्स के MI-17 हेलीकॉप्टर से लोगों पर फूलों की बारिश की जाएगी।

उस हेलीकॉप्टर पर वंदे मातरम का बैनर भी लगा होगा। सरकार की तैयारी पूरी है, लेकिन इसका विरोध भी शुरू हो गया है। वंदेमातरम को लेकर सबसे ज्यादा राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है। कांग्रेस के नेताओं का आरोप है कि सरकार मुसलमानों को परेशान करने के लिए जबरदस्ती वंदे मातरम को थोपना चाहती है। इसके पीछे देशप्रेम नहीं, बीजेपी का रिलिजियस एजेंडा है।

हालांकि महाराष्ट्र के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने कहा कि ये हैरानी की बात है कि कुछ लोगों को राष्ट्रगीत में धर्म दिख रहा है। ऐसे लोगों को मजहबी चश्मा उतार कर देश के बारे में सोचना चाहिए। वहीं आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को जबाव देते हुए कहा कि अगर वंदे मातरम इतना ही जरूरी है, तो शिंदे को बीजेपी के नेताओं से पूछना चाहिए कि जब ये बिल पार्लियामेंट में पास हो रहा था तो प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सदन में मौजूद क्यों नहीं थे।

सबसे ज्यादा विवादित बात महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नीतेश राणे ने कही। चूंकि कुछ मुस्लिम संगठनों ने एलान किया है कि मदरसों में वंदे मातरम नहीं गाया जाएगा, क्योंकि इस्लाम इसकी इजाजत नहीं देता। इस पर नीतेश राणे ने कहा कि जिन मदरसों को वंदे मातरम गाने से परहेज है, उनकी सरकारी फंडिंग रोक देनी चाहिए। नीतेश राणे के इस बयान पर महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने नाराजगी जाहिर की।

PM को मिले उपहारों की हुई ई-नीलामी, कितने रुपये प्राप्त हुए? सामने आ गया आंकड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले उपहारों और स्मृति चिह्नों की नीलामी से मिली रकम की जानकारी सामने आ गई है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समय-समय पर कई उपहार मिलते रहते हैं। बीते कई वर्षों से इन उपहारों की निलामी की जाती रही है। अब पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जानकारी दी है कि साल 2025 में पीएम मोदी को दिए गए उपहारों और स्मृति चिह्नों की नीलामी से कितने रुपये प्राप्त किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में बताया है कि 2025 में इन उपहारों और स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी से सरकार को 1.89 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने सोमवार को लोकसभा में इस बारे में पूछे गए एक सवाल का लिखित जवाब दिया है और आंकड़े शेयर किए हैं। लोकसभा में पूछे गए सवाल में इस बात की जानकारी मांगी गई थी कि बीते 5 साल में सरकार को ई-नीलामी से कितने रुपये मिले और उन तारीखों के बारे में भी पूछा गया था जब ये नीलामी की गई थीं। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, 2025 में पीएम मोदी को मिले स्मृति चिह्नों और उपहारों की ई-नीलामी से सरकार को 1.89 करोड़ रुपये मिले। ये ई-नीलामी का सातवां संस्करण था। वहीं, साल 2024 में ई-नीलामी के छठे संस्करण में सरकार को 2.24 करोड़ रुपये मिले थे। इस दौरान 600 से ज्यादा स्मृति चिह्नों और उपहारों की ई-नीलामी की गई थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले स्मृति चिह्नों और उपहारों की ई-नीलामी की श्रृंखला की शुरुआत 2019 में की गई थी। साल 2024 में स्मृति चिह्नों और उपहारों की ई-नीलामी की शुरुआत से पहले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि ये संग्रह भारत की संस्कृति, आध्यात्मिकता, इतिहास और राजनीति की समृद्ध विविधता को दर्शाता है। संस्कृति मंत्रालय ने तब जानकारी दी थी कि शुरुआती 5 चरण में इन नीलामियों से सरकार को 50 करोड़ रुपये से अधिक रकम मिली थी। आपको बता दें कि लोकसभा में एक सवाल में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से ये भी पूछा गया था कि साल 2014 से पहले ऐसी नीलामी कितनी बार हुई थी। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा था- "2019 से पहले, राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय की ओर से स्मृति चिह्नों और उपहारों की कोई नीलामी नहीं की गई थी।" नीलामी की प्रक्रिया के दौरान देशभर के नागरिकों को इन स्मृति चिह्नों को खरीदने का अवसर मिलता है। इस व्यवस्था ने आम लोगों को उन वस्तुओं से जुड़ने का अवसर भी दिया है, जो प्रधानमंत्री को विभिन्न अवसरों पर प्राप्त होती हैं। कई बार इन वस्तुओं को लेकर लोगों में विशेष रुचि देखने को मिलती है और बोली के माध्यम से प्राप्त राशि निर्धारित मूल्य से अधिक तक पहुंच जाती है। सरकार की ओर से पहले भी स्पष्ट किया जाता रहा है कि नीलामी से प्राप्त धनराशि को सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। शुरुआती चरणों में प्राप्त बड़ी राशि के बाद इस पहल को जनभागीदारी से जोड़कर देखा गया।

चावल घोटाले के आरोप से गरमाई दिल्ली विधानसभा, AAP के 8 विधायक मार्शल आउट

दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को चावल खरीद और वितरण के कथित घोटाले को लेकर जमकर हंगामा हुआ। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने सरकार पर गरीबों के लिए खरीदे गए चावल को निजी कंपनियों को बेचने का आरोप लगाया और मामले में करीब 22 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का दावा किया। मामला इतना गरमा गया कि विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के 8 विधायकों को मार्शल आउट करा दिया। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में CAG रिपोर्ट पर बयान दिया। दरअसल, AAP विधायकों का आरोप है कि दिल्ली सरकार ने भारतीय खाद्य निगम यानी FCI से करीब 23 रुपये प्रति किलो की दर से चावल खरीदा। आरोप है कि गरीबों में बांटने के बजाय इस चावल को करीब दोगुनी कीमत पर निजी कंपनियों को बेच दिया गया। AAP का दावा है कि गरीबों को इस चावल का एक दाना भी नहीं मिला। अपने आरोपों को सदन में दिखाने के लिए AAP विधायक चावल की बोरियां लेकर विधानसभा पहुंचे थे। विधायक इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहे थे। लेकिन जब चर्चा की अनुमति नहीं मिली तो सदन में हंगामा बढ़ गया। इसके बाद स्थिति और बिगड़ गई। सिरसा ने कहा कि आरोप बेबुनियाद हैं और वह इस मामले को इतनी आसानी से जाने नहीं देंगे।

सूत्रों से खुलासा- ड्रग्स लेकर विमान उड़ा रहा था पायलट, 300 फीट अचानक नीचे आ गई थी Air India की फ्लाइट

एयर इंडिया की फुकेत-दिल्ली फ्लाइट में 4 अगस्त को उड़ान के दौरान करीब 300 फीट अचानक ऊंचाई कम होने के मामले में नया मोड़ सामने आया है। पायलट के कन्फर्मेटरी टेस्ट में साइकोएक्टिव पदार्थ की पुष्टि हुई है। सूत्रों के मुताबिक, पायलट के सैंपल में मारिजुआना (गांजा) पाया गया है। इस गंभीर विमानन घटना को लेकर मंगलवार को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने एयर इंडिया के CEO और MD कैंपबेल विल्सन समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा, DGCA के महानिदेशक वीर विक्रम यादव और Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) के महानिदेशक जी.वी.जी. युगंधर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। 4 अगस्त को एयर इंडिया का एयरबस A320 विमान, रजिस्ट्रेशन नंबर VT-EXO, फ्लाइट नंबर AI2379 के तहत फुकेट से दिल्ली आ रहा था। उड़ान के दौरान विमान की ऊंचाई में अचानक करीब 300 फीट का बदलाव हुआ। विमान में कुल 145 लोग सवार थे। घटना के बाद दोनों पायलटों का निर्धारित साइकोएक्टिव सब्सटेंस स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था। 9 अगस्त को नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा था कि पायलट-इन-कमांड के शुरुआती स्क्रीनिंग टेस्ट में ऐसा परिणाम आया, जिसके लिए कन्फर्मेटरी जांच जरूरी थी। सैंपल को निर्धारित प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच पूरी होने तक DGCA ने दोनों पायलटों को ड्यूटी रोस्टर से हटा दिया है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415